शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

संपादकः संजय बघेल

सिवनी

रविवार 7 दिसंबर 2025 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in | वर्ष : 10 | अंक : 227 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

कोलकाता में कल 5 लाख लोग एक साथ गीता पाठ करेंगे

कोलकाता। कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रविवार को 5 लाख भक्तों के साथ भगवद गीता का पाठ होगा। इसमें योग गुरु बाबा रामदेव, धीरेंद्र शास्त्री और कार्तिक महाराज संबोधित करेंगे। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के आने की भी उम्मीद है। सनातन संस्कृति संसद के आयोजकों ने बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी न्योता दिया गया है, लेकिन जवाब नहीं आया। कार्यक्रम में गीता के अध्याय 1, 9 और 18 का सामूहिक पाठ होगा जो सुबह 9 बजे से दोपहर तक चलेगा। कार्तिक महाराज ने कहा कि कार्यक्रम राजनीति से दूर है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी भी आ सकते हैं।

दुकान में आग से लगने से फंसे दंपति, दम घुटने से मौत

नईदिल्ली। दिल्ली के टिकरी कलां इलाके में शुक्रवार रात एक किराने की दुकान में आग लग गई। दुकान चलाने वाले यूपी के शाहजहांपुर के 31 साल के विनीत और उनकी 29 साल की पत्नी रीना आग से बचने की कोशिश में शटर नीचे करने लगे, लेकिन बिजली का करंट चलने से फंस गए। धुएं से दम घुटने से दोनों की मौत हो गई। पुलिस को शुक्रवार रात पीसीआर कॉल मिली जिसमें दुकान में धुआं और आग निकलने की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि दुकान का शटर आधा बंद था और अंदर घना धुआं भरा हुआ था।

लोनावाला में कार-ट्रक की टक्कर में गोवा के दो टूरिस्ट की मौत

लोनावाला। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोनावाला हिल स्टेशन पर शनिवार सुबह एक कार और एक मिनी ट्रक के बीच टक्कर में गोवा के दो पर्यटकों की मौत हो गई। ट्रक चालक घायल है। पुलिस ने बताया कि मृतक गोवा के 14 लोगों के एक ग्रुप का हिस्सा थे, जो पिकनिक मनाने के लिए लोनावाला आए थे। मृतकों की पहचान योगेश सुतार (21) और मयूर वेंगुर्लेकर (24) के रूप में हुई है। दोनों गोवा के मापुसा के निवासी हैं। यह हादसा लोनावाला के लायन्स पॉइंट के पास हुआ।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

आज पैसेंजर्स को रिफंड दे, 48 घंटे में सामान लौटाए: सरकार

हवाई किराया फिक्स, 500 किमी तक 7,500 लगेंगे

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

इंडिगो एयरलाइन संकट मामले में केंद्र सरकार ने चार दिन बाद शनिवार को सख्ती दिखाई। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री (एमओसीए) ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि वह रविवार रात 8 बजे तक कैंसिल टिकट का पैसा पैसेंजर को वापस करें। पैसेंजर के लगेज भी 48 घंटे में लौटाए।

इसके अलावा, सरकार ने दूसरी एयरलाइन से कहा कि वह तय हवाई किराए से ज्यादा ना लें। सरकार ने हवाई किराया फिक्स कर दिया है। अब 500 किमी तक हवाई सफर में 7500 रुपए किराया लगेगा। वहीं 500-1000 किमी तक 12,000, 1000-1500 किमी तक 15,000 और 1500 किमी से ऊपर अधिकतम 18,000 लगेंगे। हालांकि इसमें बिजनेस क्लास शामिल नहीं है। उधर, इंडिगो के ऑपरेशन में लगातार 5वें दिन शनिवार को सुधार नहीं दिख रहा है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक देश के 4 बड़े एयरपोर्ट दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु समेत कई शहरों से इंडिगो की 800 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल की जा चुकी हैं। पिछले 4 दिन में 2,000 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। रोजाना एवरेज 500 फ्लाइट लेट हो रही हैं।

डीजीसीए के वे नए नियम, जिससे इंडिगो में स्टाफ की कमी हुई

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयलाइंस, खासकर इंडिगो को 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी राहत दी है। वीकली रेस्ट के बदले कोई भी छुट्टी नहीं देने के फैसले को वापस ले लिया। डीजीसीए ने 1 नवंबर से पायलटों और बाकी क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े नियमों में बदलाव किए थे। इसे फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (स्नष्ठञ्झरु) नाम दिया गया है। इन्हें दो चरणों में लागू किया गया। पहला चरण 1 जुलाई को लागू हुआ।

वहीं, 1 नवंबर से दूसरा चरण लागू हुआ। नए नियमों में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए पायलटों और क्रू को पर्याप्त आराम देने पर जोर दिया गया है। इस कारण इंडिगो के पास पायलट-क्रू मेंबर्स की कमी हो गई है।

कांग्रेस नेता बोले- इस मामले में डीजीसीए और इंडिगो जिम्मेदार

इंडिगो एयरलाइंस में गड़बड़ी पर कांग्रेस सांसद केएन राजन्ना ने कहा, डीजीसीए ने नियम बनाया कि एक पायलट को सिर्फ आठ घंटे ही काम करना चाहिए। इंडिगो अपने पायलटों को 10-12 घंटे काम करवा था। जोकि सही नहीं था। इस पूरे मामले में इंडिगो, डीजीसीए और सिविल एविएशन मिनिस्ट्री जिम्मेदार है।

18 हजार रु से ज्यादा किराया नहीं ले सकेंगी एयरलाइंस

इंडिगो संकट के बीच सरकार ने शनिवार को एयरलाइन्स के मनमाने किराए पर रोक लगा दी है। सरकार ने कहा कि सभी एयरलाइन्स फेयर कैप यानी अधिकतम किराया सीमा से ज्यादा कीमत पर टिकट नहीं बेच सकती। सरकार ने बताया कि यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते। इस कदम का मकसद एयरफेयर में अनियमितता रोकना, बाजार में प्राइसिंग डिसिप्लिन बनाए रखना और संकट में फंसे यात्रियों का शोषण रोकना है। अब कोई भी एयरलाइन 500 किमी की दूरी तक 7500 रुपए, 500-1000 किमी तक 12 हजार रुपए से ज्यादा किराया नहीं ले पाएगी। वहीं, अधिकतम किराया 18 हजार रुपए तय किया गया है। हालांकि ये किराया सीमा बिजनेस क्लास के लिए लागू नहीं होगी।

10 गुना तक कीमत में टिकट

इंडिगो की फ्लाइट्स में बड़े पैमाने पर कैंसिलेशन और देरी के बाद फ्लाइट्स का किराए में उछाल देखने को मिला था। यात्रियों को ऑप्शनल फ्लाइट्स की तलाश में सामान्य से दस गुनी कीमत पर टिकट खरीदने पड़ रहे थे। बुकिंग साइट के अनुसार, 6 दिसंबर को दिल्ली से बेंगलुरु की सबसे सस्ती फ्लाइट की कीमत 40,000 रुपए से ज्यादा है, जबकि कुछ फ्लाइट्स का किराया 80,000 रुपए तक हैं। दिल्ली से मुंबई की फ्लाइट का न्यूनतम किराया 36,107 रुपए और अधिकतम 56,000 रुपए है। वहीं दिल्ली-चेन्नई की देर रात की फ्लाइट्स का किराया 62,000 से 82,000 रुपए तक पहुंच गया।

केंद्र ने इंडिगो को राहत दी, वीकली रेस्ट का आदेश वापस

केंद्र सरकार शुक्रवार को बैकफुट पर आ गई थी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयलाइंस, खासकर इंडिगो को 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी राहत दी। वीकली रेस्ट के बदले कोई भी छुट्टी नहीं देने के फैसले को वापस ले लिया। इंडिगो का दावा है कि इस नियम की वजह से पायलटों और अन्य स्टाफ की कमी हुई थी और पूरा ऑपरेशन प्रभावित हुआ। इसे दुरुस्त करने समय लगेगा। डीजीसीए ने 1 नवंबर से पायलटों और अन्य क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े नियम, फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (स्नष्ठञ्झरु) का दूसरा फेज लागू किया था। पहला चरण 1 जुलाई को लागू हुआ था।

डीजीसीए के वो नए नियम, जिससे इंडिगो में स्टाफ क्राइसिस हुई

डीजीसीए ने 1 नवंबर से पायलटों और अन्य क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े नियमों में बदलाव किए हथे। इसे फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नाम दिया गया है। इन्हें दो चरणों में लागू किया गया। पहला चरण 1 जुलाई को लागू हुआ। वहीं 1 नवंबर से दूसरा चरण लागू हुआ। नए नियमों में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए पायलटों और क्रू को पर्याप्त आराम देने पर जोर दिया गया है। इस कारण एयरलाइन कंपनियों के पास पायलटों और क्रू मेंबर्स की अचानक कमी पड़ गई है। डीजीसीए ने बताया कि नवंबर में इंडिगो की कुल 1,232 उड़ानें कैंसिल की गईं, जिनमें एफडीटीएल नियमों के कारण 755 उड़ानें शामिल हैं।

इंडिगो ने कहा- फ्लाइट कैंसिलेशन में धीरे-धीरे सुधार कर रहे हैं

इंडिगो ने शनिवार को बयान जारी करते हुए कहा कि वे अपनी उड़ानों को सामान्य करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। कैंसिलेशन में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। आज 850 से भी कम फ्लाइट रद्द हुई। यह कल की तुलना में काफी कम है।

सोनिया बोलीं- सरकार नेहरू को इतिहास से मिटाना चाहती है, उन्हें गलत तरीके से पेश किया जा रहा

बीजेपी बोली- अनुच्छेद 370 नेहरू की गलती

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी शुक्रवार को दिल्ली स्थित जवाहर भवन में नेहरू सेंटर इंडिया के लॉन्च समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ बयानबाजी को लेकर भाजपा सरकार की आलोचना की।

सोनिया ने कहा- इसमें कोई शक नहीं है कि जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना आज की सत्ता का मुख्य मकसद है। वह उन्हें (नेहरू को) सिर्फ इतिहास से

मिटाना नहीं चाहती, बल्कि उनकी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक आधारों भी को कमजोर करना चाहती है, जिन पर देश खड़ा हुआ।

सोनिया ने कहा- इतने बड़े व्यक्तित्व (नेहरू) के जीवन और काम का एनालिसिस और समीक्षा होना स्वाभाविक है और ऐसा होना चाहिए भी। लेकिन उन्हें बदनाम करने, कमजोर दिखाने और उनकी बातें तोड़ने-मरोड़ने की संगठित कोशिश अस्वीकार्य है।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा- नेहरू का व्यक्तित्व छोटा करने की कोशिश जारी है। उनका ऐतिहासिक बैकग्राउंड अलग रखकर उनके काम का आकलन करना अब आम होता जा रहा है। उनकी बहुमुखी विरासत खत्म करके दोबारा इतिहास लिखने की कोशिश हो रही है। इसके बाद बीजेपी ने भी पलटवार किया। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 नेहरू लाए लेकिन वो इसे आगे संशोधित नहीं कर पाए।

राजस्थान-एमपी के 37 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे, 8 दिसंबर से और बढ़ेगी ठिठुरन

उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट, केदारनाथ में -14डिग्री पारा

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

पहाड़ी इलाकों से आ रही बर्फीली हवाओं ने कई राज्यों में ठिठुरन बढ़ा दी है। राजस्थान के 18 शहरों में शुक्रवार को तापमान 10 डिग्री से नीचे आ गया। 7 शहरों में तापमान 5 डिग्री से नीचे पहुंच गया। फतेहपुर 1.9 डिग्री के साथ सबसे ठंडा शहर रहा। लूणकरणसर में 3.2, सीकर में 3 और नागौर में 3.1 पारा रिकॉर्ड हुआ।

मध्य प्रदेश के 19 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच

गया। पचमढ़ी से पारा सबसे कम 5.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ों से सर्द हवाएं आने के कारण 7 और 8 दिसंबर को सर्दी का असर और बढ़ेगा।

इधर, आईएमडी ने उत्तराखंड में रविवार को बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। राज्य के कई जिलों में तापमान पहले से शून्य से नीचे पहुंच गया है।केदारनाथ में शुक्रवार को -14 और बद्रीनाथ में -11 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी वाले इलाकों में भी हल्की बारिश और बर्फबारी की हो सकती है। शुक्रवार को राज्य के सभी शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे गिर गया है। 14 शहरों में तापमान 5 डिग्री से कम रहा। लाहौल स्पीति के ताबो में -8.3 डिग्री और कुकुमसैरी में -5.2 डिग्री तापमान रहा।

छात्रा का अश्लील वीडियो वायरल, आरोपियों के घर ढहाए :मंदसौर का शामगढ़ आज बंद रहा

तीन दिन से चल रहा था विरोध प्रदर्शन

गरोठ | एजेंसी
rashtrabaan.in

मंदसौर के शामगढ़ में नाबालिग का अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने के दो आरोपियों के खिलाफ शनिवार को भारी विरोध के बीच प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की। सुबह से बंद रहे बाजार, मंडी और स्कूल-कॉलेजों के बीच शहर में तनाव बढ़ा तो दोपहर बाद पुलिस बल की मौजूदगी में दोनों आरोपियों के अवैध निर्माण ढहा दिए गए।

पहले आरोपी रेहान के मकान का अवैध हिस्सा ढहाया गया। इसके बाद दूसरे आरोपी बाबू के घर को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर भेज दिया गया है, जबकि प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। प्रदर्शनकारी मकान ढहाने के दौरान वहीं मौजूद रहे। इसके बाद फिर सड़क पर आकर प्रदर्शन करने लगे।

ये है पूरा मामला जानिए

आरोपी रेहान पीड़िता का पुराना दोस्त था। 6 नवंबर को नाबालिग के घर पर जब कोई नहीं था, तो रेहान चाकू लेकर उसके घर में घुस गया। उसने धमकाते हुए पुराने फोटो वायरल करने की धमकी दी। चाकू दिखाकर पीड़िता का अश्लील वीडियो बनाया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 5 लाख रुपए की मांग की। आरोपियों ने नाबालिग से 2 लाख रुपए वसूल भी लिए थे। जब बचे हुए तीन लाख रुपए नहीं मिले तो उन्होंने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने पर गुरुवार रात को लोग भड़क गए। शुक्रवार को लोगों ने चक्काजाम और थाने का घेराव कर दिया।

मौलवियों के साथ फीता काटा ; 2 लाख से ज्यादा लोग मस्जिद के लिए ईंट लेकर पहुंचे

निलंबित टीएमसी विधायक ने बाबरी की नींव रखी

मुर्शिदाबाद | एजेंसी
rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की।

इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था। कार्यक्रम को लेकर बेलडांगा समेत आसपास का इलाका आज सुबह से हाई अलर्ट पर है। बेलडांगा और उसके आसपास सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स, बीएसएफ, स्थानीय पुलिस की कई टीमों समेत 3 हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं।

हुमायूं कबीर ने 25 नवंबर को कहा था कि वे 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने पर बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे। टीएमसी ने 4 दिसंबर को हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

हुमायूं कबीर बोले- मस्जिद निर्माण रोकने की साजिशें

कार्यक्रम से पहले हुमायूं कबीर ने शनिवार को कहा था कि हिंसा भड़काकर कार्यक्रम को बाधित करने की साजिशें रची जा रही हैं, लेकिन मैं बेलडांगा में मस्जिद की नींव रखूंगा। कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। हम कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे।

हाईकोर्ट ने मस्जिद निर्माण पर रोक से इनकार किया था

कोलकाता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने से इनकार किया था। कोर्ट ने कहा- कार्यक्रम के दौरान शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद हुमायूं कबीर ने मस्जिद की नींव रखी। बारी मस्जिद के शिलान्यास कार्यक्रम में सऊदी अरब से धार्मिक नेता पहुंचे थे। 25 बीघा जमीन पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। हुमायूं कबीर ने पहले ही 3 लाख से ज्यादा लोगों के जुटने का अनुमान जताया था।

लाइफ-सपोर्ट पर INDIA ब्लॉक

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन INDIA ब्लॉक इस समय 'लाइफ सपोर्ट' पर है और अंदरूनी कलह तथा बीजेपी की लगातार काम करने वाली इलेक्शन मशीनरी का मुकाबला न कर पाने की वजह से उसे कभी भी 'ICU' में जाना पड़ सकता है.

दिल्ली में एक कार्यक्रम में बोलते हुए अब्दुल्ला ने विपक्षी गठबंधन की 'संगठनात्मक और रणनीतिक कमजोरियों' पर विस्तार से बात की और इसकी तुलना बीजेपी की 'बेजोड़' कार्यशैली से की. उन्होंने कहा, 'हम लोग अभी जैसे लाइफ सपोर्ट पर हैं. बीच-बीच में कोई आकर शॉक देता है, तो हम संभल जाते हैं. लेकिन फिर बिहार जैसे नतीजे आते हैं, तो हम फिर बैठ जाते हैं. और फिर किसी को हमें ICU में ले जाना पड़ता है.'

'एक चुनाव खत्म होते ही वो अगले राज्य में पहुंच जाते हैं'

अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री मोदी और उनकी टीम के 24x7 पॉलिटिक्स मॉडल का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा, 'एक चुनाव खत्म होते ही वे अगले राज्य में पहुंच जाते हैं. हम तो चुनाव से दो महीने पहले पहुंचते हैं, और नामांकन की आखिरी तारीख से पहले गठबंधन ठीक से तय हो जाए, वही बड़ी बात होती है.'भविष्य की रणनीति पर उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष को बीजेपी को चुनौती देनी है, तो उसे अपने सबसे बड़े दल- कांग्रेस- के इर्द-गिर्द एकजुट होना होगा, क्योंकि बीजेपी के अलावा पूरे देश में मौजूदगी सिर्फ कांग्रेस की है. उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पार्टियां अपनी भौगोलिक सीमाओं में बंधी होती हैं, इसलिए 'मुख्य जिम्मेदारी कांग्रेस को ही उठानी होगी.'

उमर अब्दुल्ला ने गिनाईं विपक्ष की खामियां

'हमने ही नीतीश कुमार को NDA में धकेल दिया'

अब्दुल्ला ने NDA में नीतीश कुमार की वापसी की जिम्मेदारी भी INDIA ब्लॉक पर डाली. उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने ही नीतीश कुमार को फिर से NDA की ओर धकेल दिया.' उन्होंने बिहार में सीट बंटवारे के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) को जानबूझकर बाहर रखने के फैसले को भी बड़ी गलती बताया, जबकि पार्टी की राज्य में उपस्थिति है.

'हम ऐसे चुनाव लड़ते हैं जैसे हमें कोई फर्क ही नहीं पड़ता'

चुनाव लड़ने के तौर-तरीकों की तुलना करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि विपक्ष की संरचना और सोच बीजेपी की अनुशासित चुनावी शैली के सामने टिक नहीं पाती. उन्होंने कहा, 'उनके पास एक ऐसी इलेक्शन मशीन है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता. सिर्फ संगठन या फंडिंग ही नहीं, बल्कि चुनावों को लेकर उनका काम करने का तरीका असाधारण है. वे हर चुनाव ऐसे लड़ते हैं मानो इससे उनका जीवन जुड़ा हो. हम कभी-कभी ऐसे लड़ते हैं जैसे हमें कोई फर्क ही नहीं पड़ता.'

अमेरिका में घर में आग लगने से झुलसी 24 साल की भारतीय छात्रा

राष्ट्रबाण

90 फीसदी शरीर जलने से हुई मौत

न्यूयॉर्क. अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य के अल्बानी शहर में घर में लगी भीषण आग से 24 साल की एक भारतीय छात्रा गंभीर रूप से झुलस गई. इस वजह से उसकी मौत हो गई. छात्रा का नाम साहजा रेड्डी उडुमाला बताया गया है. घटना के बाद न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया कि वह साहजा उडुमाला के असामयिक निधन से काफी दुखी है. दूतावास ने लिखा:"इस कठिन समय में उनके परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदना और हार्दिक संवेदना है.

छात्रा के परिवार के संपर्क में दूतावास

भारतीय दूतावास ने लिखा कि हम परिवार के निरंतर संपर्क में हैं और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं." अल्बानी पुलिस विभाग के अनुसार गत 4 दिसंबर की सुबह घर में आग लगने की सूचना मिली थी.

90 फीसदी जल गई थी साहजा

अधिकारियों ने बताया कि साहजा का शरीर 90% जल चुका था, उसके अंगों ने काम करना बंद कर दिया था. साहजा की चचेरी बहन रत्ना गोपू ने गोफंडमी पर फंडरेजर शुरू किया है, जिसमें बताया गया है कि साहजा का लगभग 90 प्रतिशत शरीर गंभीर रूप से जल गया था. रत्ना ने लिखा :"हमारे परिवार ने एक अकल्पनीय त्रासदी का सामना किया है. हमारी प्यारी चचेरी बहन साहजा उडुमाला अल्बानी, न्यूयॉर्क में मास्टर्स की पढ़ाई कर रही थीं. सिर्फ 24 साल की उम्र में उनके पास सपनों, उम्मीदों और वादों से भरा भविष्य था. उन्होंने अपनी सारी ताकत से जिंदगी की जंग लड़ी, लेकिन चोटें इतनी गंभीर थीं कि सभी चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद उनका शरीर

फास्ट ट्रैक

बाबरी मस्जिद की एक ईंट भी नहीं हटेगी

राष्ट्रबाण

मुर्शिदाबाद. तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए नींव का पत्थर रखा. उन्होंने कहा कि कोई बाबरी मस्जिद की एक ईंट भी नहीं हटा सकता, क्योंकि बंगाल की 37 प्रतिशत मुस्लिम आबादी इसे हर हाल में बनाएगी. कबीर ने संविधान के अधिकार पर जोर देते हुए कहा कि मंदिर या गिरजाघर बनाने की तरह ही मस्जिद बनाना भी उनका हक है. सभा को संबोधित करते हुए कबीर ने कहा, 'मैं कुछ भी असंवैधानिक नहीं कर रहा हूं. कोई भी मंदिर बना सकता है, कोई भी चर्च बना सकता है; मैं मस्जिद बनाऊंगा.'

'जिसके साथ अल्लाह है, उसे कोई नहीं रोक सकता'

हुमायूं कबीर ने कहा, 'कहा जा रहा है कि हम बाबरी मस्जिद नहीं बना सकते. कहीं भी ऐसा नहीं लिखा है. सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि हिंदुओं ने बाबरी मस्जिद को तोड़ा था. हिंदुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए वहां मंदिर बनाने का फैसला हुआ. अब हम देख रहे हैं कि सागरदीघी में भी कोई राम मंदिर की नींव रख रहा है. लेकिन संविधान हमें मस्जिद बनाने की इजाजत देता है.'

कबीर ने कानूनी चुनौतियों पर कहा कि ये उन्हें रोक नहीं सकतीं. उन्होंने जोर देकर कहा, 'मेरे खिलाफ 5 केस दर्ज हो चुके हैं, लेकिन जिसके साथ अल्लाह है, उसे कोई नहीं रोक सकता. अदालत ने भी साफ कहा है कि भारत के संविधान में लिखा है कि कोई मस्जिद बना सकता है, यह एक हक है.' 'किसी में हिम्मत है, तो शिर्दाबाद आकर दिखाए'

हुमायूं कबीर ने कहा, 'बंगाल में 4 करोड़ मुस्लिम हैं. क्या उन्हें बाबरी मस्जिद बनाने का हक नहीं है? मुझे धमकियां मिली हैं, जिसमें मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री भी शामिल हैं.

शाही दावत में कैसा था माहौल?

राष्ट्रबाण

शशि थरूर ने बताई अंदर की बात

नई दिल्ली. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से रूस के अपने समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के लिए आयोजित राजकीय भोज ने भारत-रूस साझेदारी के 25 वर्षों को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है. कांग्रेस के सीनियर लीडर शशि थरूर ने कहा कि शुक्रवार रात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में आयोजित हुई शाही दावत में "गर्मजोशी भरा और आत्मीय" माहौल था. इस दौरान, कई लोगों से बातचीत करना आनंददायक था. बता दें कि शशि थरूर की यह टिप्पणी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से पुतिन के लिए रखे गए राजकीय भोज के एक दिन बाद आई है.

शशि थरूर ने शाही दावत के बारे में क्या बताया : शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा, शुक्रवार की रात राष्ट्रपति पुतिन के लिए राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल हुआ. वहां माहौल बेहद गर्मजोशी भरा और आत्मीय था. वहां मौजूद कई लोगों से बातचीत करने का आनंद लिया, खासतौर पर अपने बयान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि दोनों नेताओं ने इस बात पर भरोसा जताया है कि दोनों देशों के बीच कई साल से बनी दोस्ती आने वाले वर्षों में भी मजबूत होती रहेगी.

राष्ट्रपति भवन में रूसी प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत

राष्ट्रपति मुर्मू ने शाही दावत के दौरान पुतिन और उनके प्रतिनिधिमंडल का वेलकम करते हुए कहा था कि यह दौरा भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ का अहम पड़ाव है. इस पार्टनरशिप की नींव अक्टूबर, 2000 में पुतिन की पहली भारत यात्रा के दौरान रखी गई थी. राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत-रूस "विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी" के लिए व्लादिमीर पुतिन के सपोर्ट और व्यक्तिगत प्रतिबद्धता की भी तारीफ की.

भारत-रूस की दोस्ती की राष्ट्रपति ने की तारीफ

राष्ट्रपति कार्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टनरशिप शांति, स्थिरता और पारस्परिक सामाजिक-आर्थिक व टेक्नोलॉजिकल प्रोगेस के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता पर बेस्ड है.'' राष्ट्रपति ने कहा, ''साल 2025 भारत-रूस की बहुआयामी साझेदारी के लिए खासतौर से फलदायी रहा है, जिसमें हाईलेवल राजनीतिक आदान-प्रदान, बिजनेस और इकोनॉमी, डिफेंस, असैन्य परमाणु सहयोग, स्पेस, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, संस्कृति और जन-से-जन संपर्क जैसे क्षेत्रों में बड़ी प्रगति हुई है.''

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं को लेकर CM योगी ने किया बड़ा ऐलान

राष्ट्रबाण

लखनऊ. यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना नाम लिए मौलाना मोहम्मद अली जौहर पर निशाना साधा. शनिवार को भीमराव आंबेडकर की 69वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके एक स्टेटमेंट को याद करते हुए सीएम योगी बोले कि बाबा साहेब एक बार कहा था कि जो शख्स भारत की जमीन पर पैदा हुआ, भारत की सुविधाओं का उपयोग करता है, फिर भी भारत की जमीन को अपवित्र मानता है, उसके बयान कभी भी भारतीयों के हित में नहीं हो सकते. सीएम योगी जाहिर तौर पर खिलाफत आंदोलन की हस्ती मौलाना मोहम्मद अली जौहर के बारे में बता रहे थे, जिन्होंने 1931 में यरूशलम में मौत की इच्छा जताई थी. इसके साथ ही सीएम योगी ने आंबेडकर की प्रतिमाओं को लेकर भी बड़ा ऐलान किया.

आंबेडकर की प्रतिमाओं की सुरक्षा के लिए बड़ा ऐलान : सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी सरकार बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं की सिक्योरिटी के लिए उनके चारों ओर दीवार का एक सुरक्षा घेरा बनाएगी. आज हमारी सरकार एक और महत्वपूर्ण फैसला लेने जा रही है, और वह निर्णय यह है कि यूपी में जहां भी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की मूर्तियां लगी हैं, वहां अक्सर कुछ शरारती तत्व आकर इन प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाते हैं. वे उन्हें नुकसान पहुंचाने का प्रयास करते हैं. अब हमारी सरकार इन मूर्तियों के चारों तरफ दीवार बनाकर उनकी सुरक्षा के लिए एक सिस्टम बनाएगी.

मुख्यमंत्री योगी ने आंबेडकर के बयान को किया याद

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, "उस वक्त बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने एक बयान दिया था कि जो शख्स भारत की जमीन पर पैदा हुआ है, भारत की सुविधाओं का उपयोग करता है, फिर भी भारत की धरती को अपवित्र मानता है, उस शख्स की बातें कभी भी भारतीयों के हित में नहीं हो सकतीं." उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से जो लोग तुष्टिकरण की पॉलिसी पर चल रहे हैं, वे ना सिर्फ भारत को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का भी अपमान कर रहे हैं.

सीएम योगी ने किया खिलाफत के वक्त की हस्ती का जिक्र

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस कार्यक्रम में भाषण देते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में कहा, "बाबा साहेब आंबेडकर ने उस वक्त हमें उन सभी खतरों से आगाह किया था. याद रखें, उस वक्त 1923 में एक प्रमुख नेता ने कांग्रेस अध्यक्ष पद पर रहते हुए वंदे मातरम गाने से इनकार कर दिया था. मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनके जीवन के आखिरी पल आए, तो उन्होंने यरूशलम में मृत्यु की इच्छा जताई."

बाबरी मस्जिद विध्वंस पर मोतिहारी में सैकड़ों घरों पर लगाए गए आपत्तिजनक पोस्टर

राष्ट्रबाण

लिखा यह नारा

मोतिहारी/चकिया. बिहार के मोतिहारी के चकिया प्रखंड के कुआवा गांव में शनिवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया. शरारती तत्वों ने गांव के सैकड़ों घरों की दीवारों पर आपत्तिजनक पोस्टर चस्पा कर दिया. पोस्टर में "6 दिसंबर 1992 कहीं हम भूल न जाए" संदेश के साथ बाबरी मस्जिद की तस्वीर लगी हुई थी. घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों में भारी गुस्सा फैल गया और बड़ी संख्या में लोग विरोध में उतर आए.

पुलिस पहुंची, पोस्टर हटाए गए : सूचना मिलने पर चकिया थाने की पुलिस, डीएसपी और अन्य अधिकारी गांव पहुंचे. मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि पोस्टर का उद्देश्य समाज में तनाव फैलाना और सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ना था. पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया और घरों पर लगे सभी पोस्टर हटवा दिए. हालांकि मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने घटना की पुष्टि करते हुए कैमरे पर कुछ कहने से मना कर दिया, लेकिन उन्होंने जांच जारी रहने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही.

दीवारों पर लगाए गए पोस्टर से भड़के ग्रामीण

घटना के बाद पुलिस ने आसपास के इलाकों में खोजबीन शुरू कर दी. सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जो इस जिले का रहने वाला नहीं बताया जा रहा है. ग्रामीणों ने जब सुबह घरों की दीवारों पर लगे इस पोस्टर को देखा तो आक्रोश फैल गया. लोगों ने मौके पर हंगामा करते हुए पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग की. इस दौरान कुछ ग्रामीणों और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई. हालांकि समझाने-बुझाने के बाद सभी को शांत कराया गया.

पिछले दिनों पीएफआई मामले से भी सुर्खियों में रहा गांव

कुआवा गांव इससे पहले भी चर्चा में रहा है. इसी गांव से कुछ महीने पहले पीएफआई के मास्टरमाइंड रियाज महरूफ की गिरफ्तारी हुई थी. रियाज ने अयोध्या ले जाए जा रहे शिलापट्ट को लेकर सोशल मीडिया पर कई धमकी भरी पोस्ट की थीं. अब फिर इस गांव में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई है.

जेल से निकलते ही फिर करूंगा प्यार

राष्ट्रबाण

50 हजार का इनामी 'आशिक' गिरफ्तार

मऊ. उत्तर प्रदेश के मऊ में पुलिस ने एक ऐसे सरफिरे आशिक को गिरफ्तार किया है, जिस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था. आरोपी अपनी नाबालिग प्रेमिका के साथ कुछ दिन पहले घर से भाग गया था और इसको लेकर लड़की के परिजनों ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था. पुलिस कई दिनों से उसकी तलाश में थी.

प्रेमिका से बहुत प्यार करता हूं: आरोपी : गिरफ्तारी के बाद मऊ नगर कोतवाली में पेश किए गए गोविंद राजभर के चेहरे पर किसी तरह का पछतावा नजर नहीं आया. मीडिया से बातचीत में वह हंसते हुए बोला कि वह अपनी प्रेमिका से बहुत प्यार करता है और वह भी उसे चाहती है. उसने कहा कि लड़की ने उसके पक्ष में बयान दिया है, लेकिन 'उम्र की दिक्कत' के कारण मामला दर्ज हुआ.गोविंद ने कहा, 'जब हम जेल से निकल जाएंगे तो अच्छी जिंदगी जिएंगे, कोई गलत काम नहीं करेंगे. हमारा प्यार अमर रहेगा, जब तक जिंदा हैं, तब तक प्रेम करेंगे.

तमंचा रखने पर उसने कहा कि जब अपना कोई नहीं होता और पूरा गांव दुश्मन बन जाए तो बचने के लिए कुछ न कुछ करना पड़ता है.'

युवक पर पुलिस ने रखा था पचास हजार का इनाम

गिरफ्तार आरोपी की पहचान गोविंद राजभर के रूप में हुई है, जो थाना हलधरपुर क्षेत्र के कीरत सराय गांव का रहने वाला है. पुलिस ने उसे एक तमंचा के साथ धर दबोचा. गोविंद के खिलाफ पहले से भी हलधरपुर थाने में दो मुकदमे दर्ज थे. आजमगढ़ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक ने उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था. मऊ के एसपी अनूप कुमार ने बताया कि आरोपी महिलाओं संबंधी अपराधों में लिप्त रहा है और इस पर कुल तीन मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें POCSO एक्ट का मामला भी शामिल है. आरोप है कि वह नाबालिग लड़की को बाइक पर बैठाकर भगा ले गया था.

राजनीति

6 दिसंबर को बताया - काला दिन

PM के 'घाव भरने' बयान पर ओवैसी के सवाल

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. AIMIM चीफ़ असदुद्दीन ओवैसी ने 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर अपने संबोधन में कहा कि यह तारीख भारत के इतिहास में एक "काला दिन" है. उन्होंने आरोप लगाया कि 1992 में बाबरी मस्जिद को पुलिस की मौजूदगी में ढहा दिया गया, जबकि सुप्रीम कोर्ट को वादा किया गया था कि मस्जिद को छुआ भी नहीं जाएगा.

ओवैसी ने कहा कि 6 दिसंबर 1992 को संघ परिवार से जुड़े नेता - लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती - सुप्रीम कोर्ट को भरोसा देकर आए थे कि मस्जिद को नहीं तोड़ा जाएगा. लेकिन, "दुनिया की आंखों के सामने मस्जिद को शहीद कर दिया गया," उन्होंने कहा. उन्होंने 1949 की घटना का ज़िक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा था कि 22-23 दिसंबर 1949 को "बिना किसी कानूनी प्रक्रिया" के मस्जिद में घुसकर मूर्तियां रखी गईं और मस्जिद की बेअदबी की गई.

मस्जिद की शहादत कानून के शासन का उल्लंघन थी : ओवैसी ने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ शब्दों में लिखा है कि मस्जिद का गिराया जाना कानून का शासन का उल्लंघन था. उन्होंने कहा कि इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया और केंद्र सरकार ने उस फैसले के खिलाफ अपील नहीं की.

"अगर कोई दोषी नहीं, तो फिर मस्जिद किसने गिराई?" - उन्होंने पूछा.

प्रधानमंत्री किस ज़ख्म की बात कर रहे हैं?

उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें कहा गया था कि "500 साल पुराने ज़ख्म अब भरे जा रहे हैं."ओवैसी बोले, "सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मंदिर तोड़कर मस्जिद नहीं बनाई गई. तो प्रधानमंत्री किस ज़ख्म की बात कर रहे हैं? ज़ख्म तो संविधान को दिया गया, कानून का शासन को दिया गया."

रिटायरमेंट के बाद दिए गए जज के बयान पर सवाल : ओवैसी ने कहा कि फैसले लिखने वाले एक जज ने रिटायरमेंट के बाद इंटरव्यू में कहा कि "मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी." उन्होंने पूछा कि जब जज बेंच पर थे, तब उन्होंने ऐसा क्यों नहीं लिखा? "जब आपके हाथ में कलम थी, तब आपने कहा कि मंदिर तोड़कर मस्जिद नहीं बनाई गई. अब रिटायरमेंट के बाद आपकी ज़ुबान आज़ाद हो गई?" - ओवैसी ने कहा.

फैसला आस्था की बुनियाद पर दिया गया : उन्होंने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला धार्मिक आस्था के आधार पर दिया गया. "अगर मस्जिद 6 दिसंबर को शहीद न होती, तो सुप्रीम कोर्ट क्या फैसला देता?" उन्होंने सवाल किया.

6 दिसंबर को 'काला दिन' बताकर ऐतिहासिक घटनाओं का ज़िक्र : ओवैसी ने कहा कि 6 दिसंबर 1992, 31 अक्टूबर 1984 (इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दंगे) और 2002 गुजरात हिंसा - ये सभी राष्ट्र के लिए यौम-ए-सिया (काला दिन) थे.उन्होंने कहा, "कानून की बादशाहत रहेगी, कानून का शासन रहेगा, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा."

शिक्षा पर ज़ोर: हमारी बेटियां तालीम से मुल्क का नाम रोशन करेंगी : अपने संबोधन के अंतिम हिस्से में ओवैसी ने छात्रों - खासकर छात्राओं को शिक्षा जारी रखने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं में शिक्षा का स्तर कम है, इसलिए परिवारों को बेटियों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए.ओवैसी ने कहा, "जब हमारी बेटियां शिक्षित होंगी, तभी भारत मजबूत होगा. शिक्षा ही वह ज़ेवर है जो उन्हें ताकत देता है."

भारत किसी एक मजहब का देश नहीं है

ओवैसी ने कहा कि यह देश सभी धर्मों के मानने वालों का है, और इसे किसी एक धर्म का बताना आज़ादी के शहीदों की कुर्बानियों के साथ ग़द्दारी होगी. उन्होंने संविधान के प्रीएम्बल का ज़िक्र करते हुए कहा कि स्वतंत्रता, समानता, न्याय और भाईचारा. ये चारों मूल्य किसी एक मज़हब के लिए नहीं, पूरे भारत के लिए हैं.

प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट की अनदेखी हो रही है

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने लिखा है कि प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट देश के बुनियादी संरचना से जुड़ा है, फिर भी कई मस्जिदों पर मुकदमे दायर हो रहे हैं और निचली अदालतें सुप्रीम कोर्ट की बात नहीं मान रही हैं .उन्होंने लोगों से अपील की कि संविधान और कानून का शासन को मजबूत रखना जरूरी है.

राइट टू डिस्कनेक्ट

ऑफिस के बाद बॉस का फोन न उठाने का हक

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. लोकसभा में शुक्रवार को एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया गया, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को ऑफिस समय के बाहर काम से जुड़े फोन कॉल और ईमेल का जवाब देने से छूट देना है. लोकसभा और राज्यसभा- दोनों सदनों के सदस्य ऐसे मुद्दों पर प्राइवेट मेंबर बिल ला सकते हैं, जिन पर वे महसूस करते हैं कि सरकार को कानून बनाना चाहिए. हालांकि अधिकतर मामलों में सरकार की प्रतिक्रिया के बाद ये बिल वापस ले लिए जाते हैं.

राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025

एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने 'राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025' पेश किया. यह बिल कर्मचारियों के लिए वेलफेयर अथॉरिटी बनाने और हर कर्मचारी को ऑफिस समय के बाद और छुट्टियों के दौरान काम से जुड़े कॉल और ईमेल से पूरी तरह दूर रहने का अधिकार देने का प्रस्ताव करता है.

मेंसुरेशन को लेकर पेश किए गए बिल

एक अन्य प्राइवेट मेंबर बिल, 'मेनस्ट्रुअल बेनिफिट्स बिल, 2024' कांग्रेस सांसद कडियम काव्या की ओर से पेश किया गया, जिसमें महिलाओं को मेंसुरेशन के दौरान वर्कप्लेस पर सुविधाएं और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने का प्रावधान है. लोजपा सांसद शंभवी चौधरी ने भी एक प्रस्तावित कानून पेश किया, जिसमें कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के लिए पेड पीरियड लीव, मेंसुरेशन से जुड़ी हाइजीन सुविधाएं और अन्य स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित करने की व्यवस्था शामिल है.

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 07 दिसंबर 2025

राजधानी राष्ट्रबाण

• बैरसिया • हुजूर • कोलार

इंजीनियर से भिड़े कांग्रेस विधायक

बोले–क्या भोपाल के मालिक हो गए, गड्ढे–धूल से फूटा अकील का गुस्सा ; कहा– मेट्रो कंपनी ने धूल उड़ा रखी है

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

पुराने भोपाल की सड़कों पर गड्ढे और धूल उड़ने से कांग्रेस विधायक आतिफ अकील का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने मौके पर ही मेट्रो इंजीनियर को फटकार लगा दी। कहा कि पुराने भोपाल में धूल उड़ा रखी है। क्या यहां के मालिक हो गए हैं। जहां चाहे वहां सड़कें खोद दी। तीन महीने से बोल रहा हूं, लेकिन कोई राहत नहीं। दरअसल, भोपाल के सिटी एरिया में मेट्रो की ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज का काम चल रहा है। सुभाषनगर से करोंद तक करीब 10 किलोमीटर तक मेट्रो रूट है। दो अंडरग्राउंड स्टेशन भी बनेंगे। वहीं, बाकी हिस्से में सड़क के ऊपर से मेट्रो गुजरेगी। कहीं पिलर खड़े हो रहे हैं तो कहीं अंडरग्राउंड काम चल रहा है। इस वजह से सड़कों की खुदाई भी की गई है। दूसरी ओर, हर रोज जाम के हालात भी बन रहे हैं। इसी वजह से भोपाल उत्तर से कांग्रेस विधायक आतिफ अकील का गुस्सा फूट पड़ा। शुक्रवार देर रात विधायक अकील अपने समर्थकों के साथ सिंधी कॉलोनी, डीआईजी बंगला क्षेत्र में पहुंचे। यहां पर मेट्रो के काम के चलते बेरिकेडिंग की गई है। उन्होंने मौके पर ही ठेका कंपनी यूआरसी के इंजीनियर को फटकार लगा दी। साथ ही मेट्रो अफसरों से भी मोबाइल पर बात की।

मंत्री गड़करी को पत्र लिखा- यहां डबल डेकर ब्रिज बनना चाहिए

नाराजगी को लेकर विधायक अकील ने बताया कि मेट्रो निर्माण के चलते पुराने शहर की सड़कों की खुदाई की गई है। निर्माण भी तोड़े गए हैं। मैं पिछले 3 महीने से इस समस्या के बारे में मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों से बात कर रहा हूं, लेकिन समस्या दूर नहीं हुई। हाल ही में चैंबर भी बनाए, जो सड़क से काफी ऊंचाई पर है। इस कारण लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। बैरिकेडिंग की वजह से हर रोज ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। इस कारण लाखों लोग परेशान हो गए हैं। पुराने शहर में मेट्रो के साथ ट्रैफिक व्यवस्था भी जरूरी है। इसलिए पहले केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गड़करी से पत्र लिखकर यहां डबल डेकर ब्रिज बनाने की मांग उठाई थी। पत्र में कहा था कि डबल डेकर ब्रिज बनने से मेट्रो और गाड़ियां आसानी से गुजर जाएंगी। इससे न सिर्फ जाम से राहत मिलेगी, बल्कि पार्किंग भी बनाई जा सकेगी।

विधायक बोले- पूरी सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे कर दिए

विधायक अकील ने इंजीनियर से कहा कि क्या यहां के मालिक हो गए हो। लोग गड् ढे में गिर रहे हैं। पूरी सड़क पर गड् ढे कर दिए हैं। जहां भी बेरिकेड्स लगाने हैं, खूब लगाओ, लेकिन लोग तो परेशान न हो। तीन महीने से बोल रहा हूं। चैंबर इतने ऊपर बना दिए कि लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। पहले लोगों से बातचीत करो और उन्हें पूरे प्रोजेक्ट के बारे में समझाओ, लेकिन ऐसा नहीं किया। इस वजह से पुराने शहर में धूल उड़ा रखी है।

सेकेंड फेज में 8 मेट्रो स्टेशन बनेंगे

सुभाष नगर डिपो से करोंद तक के रूट में कुल 2 फेज में काम हो रहा है। कुल 8.77 चद्व में से 5.38 चद्व हिस्से में 6 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन–पुल बोगदा, ऐशबाग, सिंधी कॉलोनी, डीआईजी बंगला, कृषि उपज मंडी और करोंद में बन रहे हें। वहीं, बाकी 3.39 किलोमीटर रूट अंडरग्राउंड है। इसमें 2 मेट्रो स्टेशन भोपाल रेलवे स्टेशन व नादरा बस स्टैंड भी रहेंगे।

भोपाल में स्कूल की अकाउंटेंट ने किया सुसाइड

लिखा– ‘पापा, माफ़ कर देना, बीमारी के चलते जान दे रही हूं, अब और सहन नहीं होता

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

भोपाल के कोलार इलाके में रहने वाली युवती ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। वह मदर टेरेसा स्कूल में अकाउंटेंट थी। पुलिस को उसके पास से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने बीमारी के चलते जान देने की बात लिखी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना शुक्रवार की रात दस बजे की है। शनिवार की दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस के मुताबिक न्यू ओम नगर में रहने वाली 27 वर्षीय सुजाता खंडाले मदर टेरेसा स्कूल में अकाउंटेंट थी। शुक्रवार को ही उसका जन्मदिन था और इसी दिन उसने सुसाइड कर लिया। युवती ने अपने घर में फांसी लगा ली थी। इसके बाद परिजन उसे फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां कुछ देर बाद ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एएसआई मनोज नागवंशी के मुताबिक मृतका के पास से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने बीमारी से तंग आकर जान देने की बात लिखी है। हालांकि यह साफ नहीं हो सका है कि उसे बीमारी क्या थी। एएसआई ने बताया कि फिलहाल परिजनों के डिटेल बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं।

मां-पिता को लिखा सॉरी

मृतका ने सुसाइड नोट में मां पिता सहित सभी परिजनों से माफी मांगी है। उसने लिखा की मेरी मौत की जिम्मेदार मैं ही हूं। अब ओर सहन नहीं कर सकती। इस बीमारी से तंग आ चुकी हूं। हालांकि पूरे सुसाइड नोट में इस बात का जिक्र नहीं है कि उसे बीमारी क्या थी।

एबीवीपी नेता का ‘धाकड़ जैसा’ अश्लील वीडियो

खुले मैदान में गलत काम करते दिखाया ; फोरेंसिक जांच रिपोर्ट में सामने आई सच्चाई

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

करीब 6 महीने पहले एमपी के मंदसौर जिले में एक अश्लील वीडियो सामने आया था। वीडियो, भाजपा नेता मनोहरलाल धाकड़ का बताया गया। उसे हाईवे पर अश्लील हरकत करते सीसीटीवी कैमरे में कैद बताया गया। अभी भाजपा इस मामले को संभाल भी नहीं पाई थी कि अनूपपुर जिले में संघ के अनुषांगिक छात्र संगठन एबीवीपी से जुड़े युवा नेता का बताकर एक वीडियो वायरल किया जाने लगा। इस वीडियो में युवा नेता आयुष राय को खुले में अश्लील हरकत करते दिखाया गया। अब फोरेंसिक जांच रिपोर्ट में ये वीडियो फेक बताया गया है।

आयुष का बताकर वीडियो अपलोड किए

20 अगस्त को कोतमा के आयुष ने अमरकंटक थाने में शिकायत की कि स्थानीय युवक ने अपने वेब पोर्टल और यूट्यूब चैनल में आयुष का बताकर वीडियो अपलोड किए हैं। वीडियो में उसे अश्लील हरकत करते दिखाया गया है। फेसबुक आईडी चलाने वाले एक युवक रामबाबू चौबे ने भी अपने अकाउंट से पोस्ट कर लिखा- ‘श्रीराम के नाम गमछा बिछाकर अवैध कृत्य किया जा रहा है। हिंदू समाज को आहत कर रहा है।’ आयुष ने वीडियो को फर्जी बताया और पुलिस से जांच और कार्रवाई की मांग की।

राजनीतिक दुश्मनी निकालने के लिए फर्जी वीडियो

आयुष ने पुलिस को बताया कि वह एबीवीपी का जिला संयोजक है, ऐसे में विरोधी राजनीतिक गुट के लोग उससे वैमनस्यता रखते हैं। राजनीतिक दुश्मनी निकालने के लिए उन्होंने फर्जी वीडियो का सहारा लिया। फोन करके चेतावनी देने के बाद भी उन्होंने ये वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए।

ऐसे वीडियो से खुदकुशी कर लेते हैं लोग

रिपोर्ट आने के बाद भास्कर ने आयुष से बात की। आयुष ने कहा कि इस डीपफेक वीडियो के कारण मेरी छवि खराब हुई। मैं पत्रकारिता का विद्यार्थी हूं। पीजी कर रहा हूं। मेरी पढ़ाई पर असर पड़ा। मेरे परिवार की सामाजिक छवि खराब हुई। मेरे पिताजी को मानसिक आघात सहना पड़ा। ऐसे फेक वीडियो के कारण कई लोग खुदकुशी कर लेते हैं। इसे सहन करना आसान नहीं है।

भारत में डीपफेक के खिलाफ मौजूदा कानून

भारत में अभी तक डीपफेक (एआई–जनरेटेड या हेरफेर की गई वीडियो/ऑडियो कंटेंट) के लिए कोई विशिष्ट कानून नहीं बना है, लेकिन मौजूदा कानूनों के तहत इसे अपराध माना जाता है। ये कानून डीपफेक से जुड़े अपराधों जैसे धोखाधड़ी, मानहानि, निजता उल्लंघन, अश्लील सामग्री और गलत सूचना को कवर करते हैं। 2025 में सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशा–निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 (आईटी रूल्स) में संशोधन किया गया है, जो डीपफेक को विशेष रूप से संबोधित करता है। यह संशोधन 15 नवंबर 2025 से प्रभावी है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लेबलिंग, त्वरित हटाने और अनुपालन की सख्ती करता है।

भोपाल शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष मामले में नया विवाद

जिसे नया अध्यक्ष बनाया, उसके विरुद्ध महिलाओं का प्रदर्शन, रेप का आरोपी बताया

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

मप्र यूथ कांग्रेस के भोपाल (शहरी) जिले में अध्यक्ष पद को लेकर चल रहा विवाद नए रूप में सामने आ गया है। जिस युवा कांग्रेसी को कल यूथ कांग्रेस ने शहर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी, उसके खिलाफ शनिवार को महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए रेप का आरोप लगाया। राहुल गांधी के नाम का बैनर लेकर कांग्रेस कार्यालय पर प्रदर्शन कर रहीं महिलाओं ने मांग की कि उसे खत्री से बचाया जाए। नेशनल यूथ कांग्रेस ने शुक्रवार को शहर युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंकित दुबे को तत्काल प्रभाव से हटाने और चुनाव में फर्स्ट रनर-अप रहे अमित खत्री को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने का निर्णय लिया था। यह फैसला राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा की गई जांच रिपोर्ट के आधार पर लिया गया, इसके चंद घंटों बाद नया विरोध सामने आ गया है।

जांच समिति ने दोनों पक्षों से की थी पूछताछ

14 नवंबर को मामले में राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति रंजन और लिलिन प्रसाद भोपाल पहुंचे थे। उन्होंने शिकायतकर्ता अमित खत्री, और निर्वाचित जिलाध्यक्ष अंकित दुबे दोनों के बयान लिए और सभी संबंधित दस्तावेज व आपत्तियां देखी। जांच समिति ने करीब एक सप्ताह तक रिकॉर्ड खंगाले और राष्ट्रीय नेतृत्व को रिपोर्ट भेजी। रिपोर्ट में कहा गया कि अंकित दुबे के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले लंबित पाए गए, जो संगठन की छवि और नियमों के विरुद्ध हैं। इसके चलते उन्हें अध्यक्ष पद पर बने रहना उचित नहीं है। यही रिपोर्ट उनके हटाए जाने का आधार बनी।

परिणाम आने के बाद ही विवाद शुरू

भोपाल यूथ कांग्रेस के चुनाव के दौरान अंकित दुबे पहले स्थान पर आए थे। अमित खत्री दूसरे स्थान (फर्स्ट रनर–अप) पर रहे थे। लेकिन परिणाम घोषित होते ही विवाद खड़ा हो गया।अमित खत्री ने लिखित शिकायत कर आरोप लगाया कि दुबे ने चुनाव नामांकन में अपने लंबित आपराधिक मामलों की सही जानकारी नहीं दी। कई धाराओं के केस होने के कारण वे पात्रता मानदंड पूरा नहीं करते। जिला संगठन की गतिविधियों में अनुशासनहीनता और दबाव बनाने जैसी शिकायतें भी की गईं थीं। इन शिकायतों को देखते हुए राष्ट्रीय समिति ने जांच का निर्णय लिया था।

भोपाल में दसवीं के छात्र ने फांसी लगाई

पिता ने बेटे को फंदे से लटका देखा, परिजनों का कहना – परेशानी का परिवार से जिक्र नहीं

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

जहांगीराबाद पुलिस लाइन में रहने वाले एक पुलिसकर्मी के 15 साल के बेटे ने शनिवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह परिजनों को उसका शव घर के ड्राइंग रूम में फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने मर्ग कायम कर कारणों की जांच शुरू कर दी है। एसआई गौतम के मुताबिक, मृतक रुद्राक्ष राजावत कैंपियन स्कूल में कक्षा 10 का छात्र था। इन दिनों उसकी मिड-टर्म परीक्षाएं चल रही थीं। शुक्रवार को वह सामान्य रूप से स्कूल से लौटा और रात में माता-पिता के साथ खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। उसने किसी तरह की परेशानी का परिवार से जिक्र नहीं किया था। तड़के करीब साढ़े 4 बजे उसके पिता उठे तो देखा कि रुद्राक्ष ड्राइंग रूम में मफलर के सहारे फंदे पर लटका हुआ था। परिवार ने तुरंत उसे नीचे उतारा और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोपहर में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस परिजनों और स्कूल स्टाफ से बात कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि बच्चे ने यह कदम क्यों उठाया।

राज्यसभा में गूंजा वीआईटी यूनिवर्सिटी मारपीट का मुद्दा

सांसद अशोक सिंह ने कहा– सरकार संज्ञान ले, खाद्य सुरक्षा मानकों पर जीरो टालरेंस रखे

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

सीहोर जिले के वीआईटी विश्वविद्यालय में छात्रों को धमकाने के बाद यहां हजारों छात्रों द्वारा की गई मारपीट और आगजनी का मामला राज्यसभा में गूंजा है। राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह ने उच्च सदन में यह मामला उठाते हुए कहा कि वे यह मांग करते हैं कि इस मामले में सरकार संज्ञान ले और खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों पर ‘श्त्रह्ह टॉलरेंस नीति रखे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। राज्य सभा सभापति दिनेश वर्मा की मौजूदगी में सांसद अशोक सिंह ने अपने वक्तव्य में राज्यसभा में कहा कि 25 नवम्बर को भोपाल वीआईटी में हुई यह घटना एक गंभीर चेतावनी है। इस विश्वविद्यालय में स्वच्छ पानी और स्वच्छ भोजन नहीं मिलने से चार हजार विद्यार्थी बीमार हुए हैं।

इस विश्वविद्यालय में खाद्य सुरक्षा और मानकों के आधार पर यहां बच्चों को भोजन नहीं मिल रहा है। अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि समय पर जांच करें। उन्होंने कहा कि विश्व विद्यालयों में कैंटीन लाइसेंस के बाद नाम मात्र व्यवस्था का पालन होता है। वीआईटी सीहोर मामले में प्रबंधन का भी तानाशाही रवैया है जो जांच में सामने आया है। विश्वविद्यालय प्रबंधन छात्रों को दबाकर ऐसे मामले छिपाकर रखता है। विश्वविद्यालय में हुई यह कोई अकेली घटना नहीं है। इसके पहले तेलंगाना, राजस्थान में भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं।

कार्रवाई तभी की जाती, जब छात्र अस्पताल पहुंच जाते

सांसद अशोक सिंह ने वीआईटी की घटना को लेकर कहा कि स्थिति यह है कि कार्रवाई तभी की जाती है जब छात्र अस्पताल पहुंच जाते हैं। ऐसे मामलों में थर्ड पार्टी आडिट की तत्काल आवश्यकता है और यह कागजी कार्यवाही तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जल की गुणवत्ता, भोजन सामग्री, कच्चे माल सप्लाई, चेन में पारदर्शिता जरूरी है। भारी भरकम फीस वसूलने वाले ऐसे संस्थानों पर जीवन की बुनियादी जरूरतों के साथ समझौता नहीं करने दिया जा सकता। इन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। वे सरकार से आग्रह करते हैं कि इस मामले में संज्ञान लें। उन्होंने यह भी कहा कि ये मामला हमारे संस्थागत ढांचे की विफलता को उजागर करता है। सिंह ने सदन के माध्यम से मांग की है कि इस मामले में सरकार संज्ञान ले और खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों पर जीरो टॉलरेंस नीति रखे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मेडिकल स्टूडेंट्स में जबरदस्त उत्साह

भोपाल पहुंचे मोहित चौहानः आज शाम एम्स के रेटिना फेस्ट में होगी मटरगश्ती

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर और युवाओं के दिलों की धड़कन मोहित चौहान भोपाल पहुंच चुके हैं। आज दोपहर करीब 3 बजे उनकी फ्लाइट राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट पर लैंड हुई। वजह है एम्स भोपाल के एनुअल कल्चरल फेस्ट रेटिना में उनकी बहुप्रतीक्षित परफॉर्मेंस। मोहित चौहान को लाइव सुनने के लिए छात्र सुबह से ही उत्साहित नजर आए। उनके आगमन के साथ ही एम्स कैंपस का माहौल और अधिक जोशीला हो गया है। संगीत प्रेमियों के लिए आज की शाम बेहद खास रहने वाली है।

हर दिन के साथ बढ़ रहा फेस्ट का क्रेज

एम्स भोपाल में चल रहा वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव रेटिना इस साल अपने भव्य स्वरूप के कारण चर्चा में है। पहले ही दिन फैशन शो और डीजे नाइट ने छात्रों में जबरदस्त ऊर्जा भर दी थी। दूसरे दिन आदित्य रिखारी की सोलफुल परफॉर्मेंस ने माहौल को रोमांटिक बना दिया। फिर तीसरे दिन कॉमेडियन जाकिर खान के किस्सों ने लोगों को इतना हंसाया कि उनके पेट में दर्द हो गया। अब शनिवार की शाम को होने वाली मोहित चौहान की एंट्री ने उत्साह को और ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। एम्स के छात्र मोहित चौहान की परफॉर्मेंस को लेकर खासे उत्साहित हैं। कई छात्र सुबह से ही ग्राउंड के आसपास घूमते की कोशिश करते रहे। स्टूडेंट्स का कहना है कि मोहित चौहान के गाने न सिर्फ मनोरंजन करते हैं बल्कि तनाव और पढ़ाई के दबाव से राहत भी दिलाते हैं।

भीड़ को संभालने के लिए विशेष इंतजाम

आयोजन समिति के अनुसार, आज के कार्यक्रम में हजारों छात्रों के शामिल होने की संभावना है। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। आयोजन स्थल पर अतिरिक्त वॉलंटियर्स, मेडिकल टीम और सिक्योरिटी स्टाफ तैनात किया गया है।

नादान परिंदे जैसे सुपर हिट गाने सुनने को मिलेंगे

मोहित चौहान की आवाज में तुम से ही, सड्डा हक, नादान परिंदे और कुन फाया कुन जैसे गानों ने पहले ही पीढ़ियों को प्रभावित किया है। अब वही जादू लाइव मंच पर देखने और सुनने के लिए भोपाल के युवा बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एम्स के रेटिना फेस्ट में मोहित चौहान की परफॉर्मेंस आज की सबसे बड़ी हाईलाइट मानी जा रही है। जैसे–जैसे शाम नजदीक आ रही है, वैसे–वैसे उत्साह अपने चरम पर पहुंचता जा रहा है।

संपादकीय

जीवन भर का दाग: तेजाब हमले से पीड़ित इंसान

इस बात से सन्न कि एक तेजाब हमला पीड़ित को अपराध के 16 साल बाद भी इंसाफ की बाट जोहनी पड़ रही है, भारत के सुप्रीम कोर्ट ने इस हफ्ते के शुरू में कई मौखिक टिप्पणियां करते हुए इस कछुआ चाल को "व्यवस्था का मजाक" करार दिया. भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अदालतों को तेजाब हमलावरों के साथ कोई हमदर्दी नहीं दिखानी चाहिए, और आह्वान किया कि "पूरी व्यवस्था" उनके खिलाफ खड़ी हो. शाहीन मलिक पर साल 2009 में हरियाणा में उनके दफ्तर के बाहर जब हमला हुआ तब वह 26 साल की थीं और एमबीए की पढ़ाई कर रही थीं. उन्होंने सीजेआई को बताया कि साल 2013 तक उनके मामले में "कुछ नहीं हुआ".

आखिरकार यह मामला हरियाणा से दिल्ली में रोहिणी कोर्ट स्थानांतरित किया गया, जहां सुनवाई लंबित है और "अंतिम बहस" चल रही है. मलिक को पुनर्निर्माण (रीकंस्ट्रक्टिव) सर्जरी से गुजरना पड़ा, और साल 2021 में, उन्होंने 'ब्रेव सोल्स' नामक एक एनजीओ बनाया जो तेजाब हमला पीड़ितों को चिकित्सीय और कानूनी मदद देता है. दरअसल, वह सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा एक पीआईएल के साथ खटखटा रही हैं जिसमें उन्होंने इन पीड़ितों को 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016' के तहत विशिष्ट निःशक्तता वाले व्यक्तियों के रूप में औपचारिक मान्यता देने की मांग की है. वह शीर्ष अदालत का ध्यान उन तेजाब हमला पीड़ितों की ओर दिला रही थीं जिन्हें जबरन तेजाब पिलाया गया. इन्हें तेजाब फेंके गये दूसरे लोगों की तरह जीवन भर का दाग तो नहीं दिया गया, लेकिन तब भी भयावह तकलीफों के साथ जीना पड़ा.

सीजेआई ने केंद्र से एक अध्यादेश लाने पर विचार करने को कहा. केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर-जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कोई भी प्रतिवादी याचिकाकर्ताओं के मकसद का विरोध नहीं कर सकता. उन्होंने कहा, पीड़ितों, प्रायः महिलाओं और नाबालिगों, को भीतर और बाहर से जिंदगी भर का जख्म देने वाले तेजाब हमले के गुनहगारों "के साथ उसी निर्ममता से पेश आया जाना चाहिए जो उन्होंने अपनी पीड़ितों से दिखायी है".

अतीत में, 'लक्ष्मी बनाम भारत संघ और अन्य' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि तेजाब हमला पीड़ितों को समुचित इलाज, बाद की देखभाल और पुनर्वास मिले. इसके अलावा, काउंटर से तेजाब बिक्री पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करने को भी कहा था. भारतीय न्याय संहिता की धारा 124 तेजाब हमलों और इसके लिए दी जाने वाली सजा से संबंधित है, लेकिन हकीकत एक निराशाजनक तस्वीर पेश करती है – सुनवाईयां लंबी खिंच रही हैं और दोष सिद्धि की दर कम है. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, साल 2023 में देशभर में तेजाब हमले की 207 घटनाएं हुईं, जिसमें पश्चिम बंगाल 57 मामलों के साथ शर्मनाक ढंग से शीर्ष पर रहा, और उसके बाद उत्तर प्रदेश (31) था. तेजाब हमला, जो लैंगिक हिंसा के वीभत्सतम कल्पनीय रूपों में से एक है, के पीड़ित इससे बहुत बेहतर सलूक के हकदार हैं.

भारत-रूस संबंधों का अगला अध्याय

अब पुतिन की यात्रा और कई बिंदुओं पर हुए समझौतों के बाद भारत और रूस के संबंधों में नई गति आएगी. दोनों पक्षों ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, व्यापार और संस्कृति के क्षेत्रों में सहयोग को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया है. आने वाले समय में नई भू-राजनीतिक परिस्थितियां तैयार हो सकती हैं, लेकिन एक न्यायसंगत और बहुध्रुवीय दुनिया ही नई वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सकेगी. रूस और भारत का सहयोग इसमें बड़ी भूमिका निभा सकता है.

भारत और रूस के बीच संबंधों का सफर करीब आठ दशक पुराना रहा है और अब तक दोनों देशों ने हर मौके पर एक-दूसरे के लिए सहयोग के दरवाजे खुले रखे हैं. इस लिहाज से देखें, तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा एक मजबूत बुनियाद पर खड़े भारत-रूस के संबंधों को नया आयाम देने की नई कड़ी है.

मगर पुतिन इस बार जिन परिस्थितियों में भारत आए और खुले मन से भारत की स्थिति को समझते हुए सहयोग को मजबूत करने के लिए साथ चलने पर सहमति जाहिर की, वह बेहद अहम है. यह छिपा नहीं है कि पिछले कुछ समय से अमेरिका की ओर से दंडात्मक शुल्क और प्रतिबंध लगाने की घोषणा से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक जटिल स्थिति पैदा हुई है. ऐसे में इसके असर के दायरे में आने वाले देशों के सामने अब नए विकल्प खोजने की चुनौती है. इसी क्रम में भारत और रूस शुक्रवार को दोनों देशों के बीच पहले से चली आ रही आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक पंचवर्षीय योजना पर सहमत हुए हैं. हालांकि दोनों देशों के बीच परस्पर और दीर्घकालिक हितों पर आधारित संबंधों के अलावा एक पारंपरिक मित्रता का सहयोग भी हमेशा रहा है. मगर अब नए सिरे से भी भारत और रूस के बीच कई मसलों पर सहमति बनी है. पुतिन के साथ बातचीत के बाद रक्षा, व्यापार, ऊर्जा और आर्थिक सहयोग जैसे अहम क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया गया. इसके अलावा, आप्रवासन, स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, खाद और समुद्री सहयोग से संबंधित कई अहम समझौते हुए हैं. यह उम्मीद भी जताई गई है कि वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ा कर सौ अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाया जाएगा. दुनिया भर में जिस तरह नवनिर्माण के लिए लोगों की जरूरत बढ़ी है, उसके मद्देनजर भी दो समझौते हुए हैं, जिसमें दोनों देशों में मानव श्रम की आवाजाही एक नई शक्ति और अवसर का वाहक बनेगी.

वहीं, रूस तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है और वह 'मेक इन इंडिया' में भी सहयोग करेगा. साथ ही, ध्रुवीय जल में भारतीय नाविकों को प्रशिक्षित करने के लिए सहयोग, साजो-सामान के साथ-साथ हिंद महासागर के मार्ग पर भी जिस तरह बात आगे बढ़ने की संभावना है, वह सहयोग के नए आयाम तैयार कर सकता है. भारत के लिए अपने व्यापार और निवेश के क्षेत्र में ज्यादा विविधता, संतुलन और स्थिरता लाना वक्त की जरूरत है. पिछले कुछ समय से अमेरिका की ओर से शुल्क नीति का सहारा लेकर जिस तरह के दबाव पैदा किए गए और शर्तें थोपने की कोशिश हुई, वह किसी देश की नीतियों को मनमाने तरीके से प्रभावित करने से कम नहीं था. हालांकि भारत ने एक तरह से अपना स्वतंत्र रास्ता ही चुना और पारंपरिक तौर पर मित्र रहे रूस के साथ संबंधों को लेकर किसी नई नीति पर चलने की जरूरत नहीं समझी.

रेल मंत्रालय ने किया शिवराय का अपमान!

गुजरात के स्टेशन पर सरदार पटेल की प्रतिमा, पर छत्रपति शिवाजी टर्मिनस पर महाराज की मूर्ति लगाने से इनकार केंद्रीय रेल मंत्रालय द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान किया गया है. गुजरात के केवडिया रेलवे स्टेशन पर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा लगाने की अनुमति देनेवाले मंत्रालय ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन पर शिवराय की प्रतिमा स्थापित करने के मामले में कहा है कि यह उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है. रेल मंत्रालय के इस निर्णय से भारी रोष निर्माण हुआ है. शिवसेना ने रेलवे मंत्रालय की इस भूमिका का तीव्र विरोध करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन के मुख्य प्रवेशद्वार पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने की मांग शिवसेना पिछले कई वर्षों से कर रही है. इसी संदर्भ में १० फरवरी को शिवसेना नेता व सांसद अरविंद सावंत ने रेल मंत्रालय को पत्र लिखा था. लगभग आठ महीने बाद रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह ने उस पत्र का उत्तर भेजा है, जिसकी जानकारी अरविंद सावंत ने मीडिया को दी. उन्होंने कहा कि रेल मंत्री का यह उत्तर महाराष्ट्र, महाराष्ट्र

धर्म का अपमान और राज्य के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने वाला है.

अरविंद सावंत ने मीडिया के सामने केवडिया रेलवे स्टेशन परिसर, भवन और स्टेशन के अंदर स्थापित सरदार पटेल की प्रतिमाओं और भित्तिचित्रों के फोटो भी प्रस्तुत किए. उन्होंने कहा कि रेल मंत्री का उत्तर अत्यंत गुस्सा पैदा करने वाला है. उन्होंने महाराष्ट्र के सभी मराठी लोगों से सवाल किया कि भाजपा की तरफदारी करने वालों से पूछता हूं, क्या आपको छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान मंजूर है? अरविंद सावंत ने स्पष्ट किया कि सरदार पटेल के प्रति उनका पूरा सम्मान है, लेकिन यदि रेलवे स्टेशन पर पटेल की प्रतिमा लगाने की अनुमति मिल सकती है तो छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने की अनुमति क्यों नहीं? रेल मंत्रालय वैâसे कह सकता है कि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है? यह सरासर दोहरी नीति है. सावंत ने आगे कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्रपुरुष हैं. वे केवल महाराष्ट्र के नहीं हैं. उनके अपमान का अर्थ देश और महाराष्ट्र दोनों का अपमान है. शिवसेना नेता व विधायक भास्कर जाधव ने विधानसभा में मांग की थी कि राज्य सरकार ने सीएसएमटी पर शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध करे. उस समय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक इस संदर्भ में राज्य सरकार का कोई पत्र केंद्र को भेजा ही नहीं गया है. इस तरह का तीखा आरोप अरविंद सावंत ने लगाया.

'कस्टमर केयर' का असली मतलब

फिनएयर की वो उड़ान और भारतीय एविएशन का सच

'कस्टमर केयर' का असली मतलब फिनएयर की वो उड़ान और भारतीय एविएशन का सच

क्सर हम सोचते हैं कि यूरोप के नॉर्डिक देश 'हैप्पीनेस इंडेक्स' में हमेशा ऊपर क्यों रहते हैं? इसका जवाब मुझे किसी किताब में नहीं, बल्कि हेलसिंकी एयरपोर्ट पर एक अनुभव से मिला. आज जब भारत में इंडिगो के संकट को लेकर हर तरफ अफरा-तफरी मची है, तो यह किस्सा सुनाना और भी जरूरी हो जाता है.

बात उन दिनों की है जब मैं अपनी रिसर्च के सिलसिले में दिल्ली से नॉर्थ पोल की ओर आर्कटिक सर्कल के पास गया हुआ था. कई दिनों की भागदौड़ और काम की थकान के बाद, जब मैं वापसी के लिए हेलसिंकी-वांता (Helsinki-Vantaa) एयरपोर्ट पहुंचा, तो बस घर पहुंचने की जल्दी थी, लेकिन काउंटर पर पहुंचते ही एक बुरी खबर मिली-तकनीकी कारणों से क्रू लंदन में फंस गया था और मेरी फिनएयर की दिल्ली जाने वाली फ्लाइट रद्द हो चुकी थी. एक आम यात्री की तरह मेरा पारा चढ़ना स्वाभाविक था. इससे पहले कि मैं चेक-इन काउंटर पर अपनी नाराजगी जाहिर करता, वहां की कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर तुरंत मेरे पास आईं. उनके चेहरे पर झुंझलाहट नहीं, बल्कि समाधान का भाव था. उन्होंने मेरे हाथ में 22 यूरो का एक वाउचर थमाया और बेहद विनम्रता से कहा, 'सर, जब तक हम आपके लिए कोई दूसरा विकल्प तैयार करते हैं, आप कृपया कुछ खा-पी लीजिए.' गुस्सा पिघल गया. मैं लाउंज में गया, स्नैक्स खाए, चॉकलेट्स खरीदीं और एक घंटे बाद वापस काउंटर पर लौटा. मेरा इंतजाम हो चुका था - हेलसिंकी से बैंकॉक और वहां से एयर इंडिया के जरिए दिल्ली. उड़ान में बस तीन घंटे बाकी थे, लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई. जाते-जाते उन्होंने मुझे एक कार्ड दिया, जिस पर एक ईमेल एड्रेस और 'यूरोपियन एविएशन ला' का हवाला था. उन्होंने कहा, 'सर, हुई असुविधा के लिए आप मुआवजे के हकदार हैं. बस अपने डाक्युमेंट्स हमें मेल कर दीजिएगा.' भारत लौटने के कुछ दिन बाद मैंने औपचारिकता पूरी कर दी. करीब दो महीने बाद मुझे फिनएयर से एक मेल आया. उसमें फ्लाइट रद्द होने के लिए कई बार माफी मांगी गई थी और अंत में एक कूपन कोड था. ऑफर था- या

राशिफल

■ **मेष**: आपको अपनी सेहत का खास ध्यान रखना है. ऑफिस में इस बात का ध्यान रखें कि अपने काम पर फोकस करें और एक साथ कई काम करने के स्किल का ध्यान रखें. इस समय सेविंग पर खास ध्यान दें, आर्थिक लाइफ में कुछ परेशानी आपके सामने आ सकतीहैं. आज लाइफ पार्टनर के साथ विचारों में मतभेद उभर सकते हैं.

■ **वृषभ**: पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में आपको बैलेंस बनाकर चलने की जरूरत है. घर में शांति रहेगी. आज आपकी लाइफ में मंगल कार्य होंगे. निवेश करने से पहले आपको खास ध्यान देना है. आंखे बंद करके किसी पर भरोसा मत करें. फाइनेंस के मैनेजमेंट के होने वाले से बचने के लिए बजट बनाएं.

■ **मिथुन**: बैंकिंग अपडेट से छोटे-मोटे बदलाव आ सकते हैं, आपको खर्च पर खास नजर रखनी चाहिए. इसके अलावा अपने खातों पर कड़ी नजर रखें. स्वास्थ्य लाभ स्थिर रहेंगे. आज ऑफिस में आपकी तारीफ होगी. पारिवारिक रिश्ते स्थिर रहेंगे. इस समय गुस्सा कम से कम करें.

■ **कर्क**: करियर में आगे बढ़ने के मौके आपके सामने आ रहे हैं, बस आफको पहचानना है. कार्यस्थल पर आपको आज एक सम्मानित पद मिल सकता है. हेल्थ में ओरल हेल्थ इश्यू आपको हो सकते हैं. पैसों से जुड़े फैसलों को आवेग के बजाय लॉजिक से मैनेज करने से आप गलतियों से बच सकते हैं.

■ **सिंह**: करियर में आगे बढ़ने के मौके आपके सामने आ रहे हैं, बस आफको पहचानना है. कार्यस्थल पर आपको आज एक सम्मानित पद मिल सकता है. हेल्थ में ओरल हेल्थ इश्यू आपको हो सकते हैं. पैसों से जुड़े फैसलों को आवेग के बजाय लॉजिक से मैनेज करने से आप गलतियों से बच सकते हैं.

■ **कन्या**: जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. स्वंय के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. नौकरी-चाकरी की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं दिख रही है. कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. प्रेम, संतान लगभग ठीक रहेगा. व्यापार मध्यम गति से आगे बढ़ेगा. लाल वस्तु का दान करें.

■ **तुला**: आपका कोई भी कदम आगे चलकर आपको अच्छा रिटर्न दिलाएगा. इस समय रिसर्च करें और फ्यूचर प्लानिंग करें. अगर मेंटली आपको तनाव हो रहा है, तो आपको थोड़ा रिलेक्स करना चाहिए.

■ **वृश्चिक**: लंबे समय की पार्टनरशिप आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है. इस समय आप पर नेगेटिव एनर्जी हावी हो रही है. स्वास्थ्य आज ठीक रहेगा. लवलाइफ भी ठीक रहेगी. बिजनेस भी ठीक रहेगा, कोईखास फर्क नहीं होगा.

■ **धनु**: अभी आपको आर्थिक लाइफ में बचकर चलना है. नया बिजनेस या बिजनेस बढ़ाने की सोच रहे हैं, तो फिलहाल थोड़ा इंतजार करें. सेहत का ध्यान रखें, छोटी-मोटी दिक्कतें हो सकती हैं.

■ **मकर**: आज ओरल हेल्थ से जुड़ी दिक्कते आपको हो सकती हैं. इस समय किसी को भी उधार देने से बचें. अगर लवलाइफ में दिक्कतें आ रही हैं.

■ **कुंभ**: आज कुंभ राशि वालों का मन प्रसन्न नहीं होगा. आपदो मानसिक तौर पर बैचेनी हो सकती है. प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करना आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है.

■ **मीन**: आज मीन राशि के लोगों को लड़ाई झगड़े से दूर रहना है. अपनी वाणी पर कंट्रोल रखें. आपकी प्रोडक्टिविटी पर भी असर पड़ सकता है. पार्टनरशिप में आज खास ध्यान दें.

बिना शांति के समझौता

संयुक्त राज्य अमेरिका और कांगो-रवांडा समझौता

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कांगो संकट को उन संघर्षों में से एक मानते हैं जिनके समाधान में उन्होंने मदद की है. बीते 4 दिसंबर को उन्होंने एक औपचारिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर के लिए वाशिंगटन में रवांडा और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के नेताओं की मेजबानी की. इस समझौते में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों द्वारा पहले किए गए समझौते का समर्थन किया गया. ट्रम्प ने जहां इस समझौते को अफ्रीका में समृद्धि लाने की दिशा में एक "ऐतिहासिक" कदम बताया, वहीं अक्सर एक-दूसरे के प्रति अपमानजनक रवैया रखने वाले कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी और उनके रवांडा के समकक्ष पॉल कागामे ने उनकी मध्यस्थता की सराहना की. ट्रम्प ने शांति कायम रहने पर संसाधन संपन्न कांगो में अमेरिकी निवेश का वादा भी किया. गुरुवार को उन्होंने कहा कि वह "अपनी सबसे बड़ी और महानतम कंपनियों को दोनों देशों में भेजेंगे", और यह भी जोड़ा कि "हम कुछ दुर्लभ मृदा पदार्थ लेंगे, कुछ परिसंपत्तियां निकालेंगे और उसका भुगतान करेंगे... और हर कोई ढेर सारा पैसा कमाएगा." लेकिन इस समारोह की भव्यता से परे, हालात जटिल और हिंसक बने हुए हैं. पूर्वी कांगो में कांगो की सेना और एम23 विद्रोहियों के बीच लड़ाई जारी है. समझौते के तहत, रवांडा चाहता है कि कांगो उसके इलाके से गतिविधियां चला रहे हुतु मिलिशिया को निरस्त्र कर दे, जबकि कांगो चाहता है कि रवांडा पूर्वी इलाके से अपनी सेना वापस बुला ले. हालांकि, आखिरकार इस समझौते की सफलता कांगो सरकार और एम23 के बीच शांति सुनिश्चित करने पर निर्भर करती है.

कांगो में संकट का मूल 1994 के रवांडा नरसंहार से जुड़ा है. इस नरसंहार में लगभग 8,00,000 लोग, जिनमें ज्यादातर तुत्सी थे, नस्लीय हुतु मिलिशिया द्वारा मारे गए थे. किगाली में नरसंहारकारी शासन के पतन के बाद, 1990 के दशक के मध्य में हज़ारों हुतु लोग कांगो भाग गए. रवांडा अब दावा कर रहा है कि उस नरसंहार में भाग लेने वाले कुछ मिलिशिया अब भी कांगो के इलाके से अपनी गतिविधियां चला रहे हैं. एम23, जिसका नाम 23 मार्च 2009 को तुत्सी नेतृत्व वाले विद्रोही समूह और कांगो सरकार के बीच हस्ताक्षरित असफल शांति समझौते से लिया गया है, का कहना है कि वह कांगो के तुत्सी नस्ल के अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ रहा है. कांगो और संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों का कहना है कि पड़ोसी देश रवांडा, जहां तुत्सी नेतृत्व वाली सरकार है, एम23 का समर्थन कर रहा है.

बूथ अधिकारियों पर क्यों बढ़ा बोझ?

देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम का दबाव अब कुछ कम होने की उम्मीद जताई जा रही है. ऐसा इसलिए, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने इन अधिकारियों के कामकाज के घंटों में कमी लाने के लिए राज्य सरकारों को अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती करने का निर्देश दिया है.

दरअसल, पुनरीक्षण कार्य में लगे अधिकारी साथ में अपनी सामान्य जिम्मेदारियों का भी निर्वहन कर रहे हैं और काम का बोझ बढ़ जाने के कारण उन्हें कई तरह की परेशानियां का सामना करना पड़ रहा है. मगर सवाल है कि इस समस्या के समाधान के लिए आखिर शीर्ष अदालत को निर्देश क्यों जारी करने पड़े? निर्वाचन आयोग और राज्य सरकारों को इस मामले में अपनी जिम्मेदारी का एहसास क्यों नहीं हुआ?

सवालों के घेरे में सत्ता पर 'सुपर कंट्रोल'

महाराष्ट्र की राजनीति में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का 'सुपर कंट्रोल' अब सवालों के घेरे में आ गया है, क्योंकि भाजपा के मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने कल एक ऐसा बयान दिया, जो महायुति के भीतर ही बड़ा 'बम' बनकर फटा है. लोढा ने दावा किया कि भाजपा ही नहीं, दूसरे दल भी महाराष्ट्र में देवाभाऊ की मर्जी से चलते हैं. राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि लोढा का यह इशारा महायुति में शामिल दोनों शिंदे और दादा गुट की ओर है. इससे महायुति में 'खटपट' तेज हो गई है. लोढा ने फडणवीस के 'सौ चेहरे, सौ पैâसले' होने की बात कहकर उनके असीमित राजनीतिक प्रभाव को रेखांकित किया. इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विपक्ष ने कहा कि यही है महाराष्ट्र की लोकतांत्रिक विडंबना', जहां एक व्यक्ति राज्य की पूरी राजनीतिक दिशा तय कर रहा है. बता दें कि मुंबई भाजपा का कल एक सम्मेलन शहर में संपन्न हुआ. इसमें मंत्री लोढा ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा करते हुए सच बयां कर दिया. इस दौरान उन्होंने फडणवीस की प्रशंसा करते हुए यह दावा किया कि हम देवाभाऊ के विभिन्न रूप देख रहे हैं.

महाराष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था बदहाल हजारों बच्चियों ने छोड़ा स्कूल!

महायुति सरकार की शिक्षा नीति पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, क्योंकि कम छात्र संख्या वाले स्कूल बंद करने के पैâसले ने सीधे-सीधे राज्य की बच्चियों की शिक्षा पर करारी चोट की है. केंद्र द्वारा जारी ताजा आंकड़ों ने पूरे मामले की सच्चाई उजागर करते हुए बताया है कि पिछले चार वर्षों में कुल 15,357 लड़कियां स्कूल छोड़ने पर मजबूर हुई हैं. हर साल बढ़ते इस डरावने ड्रॉपआउट ग्राफ ने न सिर्फ सरकार की नीतियों की पोल खोल दी है, बल्कि यह भी साबित किया है कि स्कूल बंद करने की निर्णय प्रक्रिया ने राज्य की हजारों बच्चियों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है. राज्यसभा में सरकार से 2021 से 2025 तक की अवधि में शिक्षा की धारा से बाहर होने वाले देशभर के बच्चों की जानकारी मांगी गई थी. इसके लिखित उत्तर में केंद्र ने राज्यवार आंकड़े प्रस्तुत किए. इसमें महाराष्ट्र की चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है. इस आंकड़े के अनुसार, इस संबंध में 2020-2021 में कुल 23522 बच्चों की पहचान की गई. इनमें से 11,022 लड़कियों ने स्कूल छोड़ा. इसके बाद 2022-23 में 8.165 लड़कियां शिक्षा की धारा से बाहर हो गईं. 2023-24 में यही आंकड़ा 3,936 रहा. इसके बाद 2024-25 में अब तक 15,357 लड़कियां शिक्षा से बाहर हो चुकी हैं. यह अस्थाई आंकड़ा है और इसमें और वृद्धि होने की आशंका है. महाराष्ट्र के इन आंकड़ों के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों में भी कुछ ऐसी ही स्थिति है. बंद हो रहे स्कूल राकांपा विधायक रोहित पवार ने लड़कियों के स्कूल छोड़ने के इन आंकड़ों पर सरकार की कड़ी आलोचना की है. उन्होंने कहा है कि कम छात्र संख्या वाले स्कूल बंद करने की सरकार की नीति का हमने सदन में और सड़क पर भी लगातार विरोध किया है. सामान्य परिवार के बच्चे शिक्षित होकर सरकार से सवाल पूछेंगे, शायद इस सरकार को यह डर सता रहा होगा. इसीलिए कम छात्र संख्या वाले स्कूल बंद करने की नीति इस सरकार ने अपनाई.

बीसीए के बाद एमसीए करें या एमबीए, जानिए किसमें मिलेगा कमाई का बेहतर अवसर

बैचलर डिग्री पूरी करने के बाद स्टूडेंट्स एमबीए और एमसीए में एडमिशन को लेकर काफी कंफ्यूज रहते हैं। ऐसे में उन्हें समझ नहीं आता कि उनके लिए कौन सा कोर्स बेहतर है। वहीं किस कोर्स को करने में उन्हें कितनी एवरेज सैलरी मिलेगी। तो आप इस आर्टिकल से सारी जानकारी ले सकते हैं।

बीसीए करने वाले छात्र अक्सर इस बात को लेकर कंफ्यूजन में रहते हैं कि एमसीए किया जाए या फिर एमबीए । बीसीए एक ऐसा कोर्स है, जो कंप्यूटर एप्लीकेशन के शुरूआती तौर पर परिचय करवाता है। क्योंकि बीसीए करने के दौरान आपको समझ आ जाता है कि आपमें सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर की योग्यता रखते भी हैं या नहीं। बीसीए करने के बाद एमसीए या एमएससी करने का तभी मतलब होता है, जब आप एक सॉफ्टवेयर कंप्यूटर प्रोग्रामर बनना चाहते हों। बता दें कि देश में सॉफ्टवेयर कंपनियां काफी ज्यादा हैं, जो हर साल बड़ी संख्या में एमसीए या एमएससी कंप्यूटर छात्रों का चयन करती हैं।

हालांकि अगर आपको लगता है कि प्रोग्रामिंग स्किल और लॉजिक आपके वश की बात नहीं है, तो ऐसे में बीसीए के बाद आपको एमबीए करना चाहिए। एमसीए के आखिरी सेमेस्टर में स्टूडेंट्स को स्पेशलाइजेशन का पेपर लेना होता है। वहीं एक समय में सिर्फ चार स्पेशलाइजेशन के पेपर होते थे। जिनमें मार्केटिंग, फाइनेंस, एचआर और प्रोडक्शन शामिल थे। लेकिन अब अतिरिक्त ढेरो नए स्पेशलाइजेशन पेपर के ऑप्शन में एमसीए उपलब्ध है। जिनमें एक है सिस्टम या आईटी। इसके अलावा, ई कॉमर्स में काम करने वाली कंपनियां, जैसे अमेजन, टाटा, रिलायंस डिजिटल और फ्लिपकार्ट जैसी अनगिनत कंपनियों में स्टूडेंट्स को नौकरी में तरहीज देती है। इसमें वह छात्र शामिल होते हैं जिनको कंप्यूटर के साथ मैनेजमेंट की भी अच्छी खासी जानकारी हो। तमाम कंपनियां अपने आईटी संबंधी प्रोजेक्ट के लिए ऐसे छात्रों को हायर करती हैं।

कॅरियर संभावनाएं

बता दें कि एमबीए उन छात्रों के लिए अच्छा है, जो बिजनेस फील्ड में काम करने के इच्छुक होते हैं। एमबीए करने वाले छात्रों को मार्केटिंग, फाइनेंस और ह्यूमन रिसॉर्सेज में काम करने का मौका मिलता है। वहीं अगर सैलरी की बात की जाए तो ऐवरेज सैलरी 5-6L PA होती है। वहीं एमसीए के बाद उन छात्रों को अच्छे मौके मिलते हैं जिन्हें एकेडमिक्स और रिसर्च में इंट्रेस्ट होता है। जिन छात्रों को मैथ्स पसंद है, उनके लिए एमसीए इसके लिए है। एमसीए में आपकी एवरेज सैलरी 4-5L PA होती है।

दूसरों को कनविंस करना भी एक स्किल है

आजकल सबसे मुश्किल कामों में से एक है दूसरों को कनविंस करना, यानी अपनी बात मनवाना। यह भी एक स्किल है। अगर आपमें यह स्किल मौजूद है, तो आप निजी जीवन और करियर में भी सफल रहेंगे। जानें अपनी बात मनवाने के कुछ नुस्खे।

अच्छे तर्क दें

लोगों से अपनी बात मनवाने के लिए आपका तार्किक होना बहुत जरूरी है और तार्किक होने के लिए आपके पास तर्क किए जाने वाले विषय का ज्ञान जरूर होना चाहिए। आपके पॉइंट्स में वजन होना चाहिए। सामने वाले को कभी ऐसा न लगे कि आप खुद को बहुत विद्वान दिखा रहे हैं। नहीं तो उसका ईगो आड़े आ सकता है और वह किसी भी कीमत पर आपकी बात मानना तो दूर, सुनना भी नहीं चाहेगा।

विनम्रता से बोलें

आप जो भी बात करें, उसे बहुत विनम्रता के साथ करें। इससे सामने वाले के अहम को ठेस नहीं लगेगी और वह आपकी बात सुनेगा। कोई भी बात स्पीड में न बोलें, नहीं तो सामने वाले को समझने में दिक्कत आ सकती है और साथ ही वह आपकी बात में रुचि नहीं लेगा, चाहे बात कितनी भी वजनदार क्यों न हो।

बॉडी लैंग्वेज हो सही

आपकी बॉडी लैंग्वेज में अकड़ नहीं दिखना चाहिए। हमेशा अपनी स्वाभाविक स्टाइल में रहें। न कभी झुककर बैठें और न ही झुककर खड़े हों। सीधे बैठने और खड़े रहने से आपका आत्मविश्वास झलकता है, जिससे सामने वाला प्रभावित होता है। बात करते समय आई-कॉन्टेक्ट बनाए रखें। चेहरे पर मंद मुस्कान जरूर बनाए रखें। इससे सामने वाले को सकारात्मक संकेत जाएगा।

बात काटें नहीं

अगर आप चाहते हैं कि सामने वाला आपकी बात सुने, तो वह भी आपके बारे में यही सोच रहा होता है। इसलिए एक-दूसरे की बात को सुनें और सामने वाले की बात पूरी होने पर ही अपनी बात रखें, उसकी बात काटें नहीं।

कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन

सर्विस सेक्टर से जुड़कर कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन है। स्पा मसाज उन विकल्पों में से एक है, जो रिलैक्सेशन और रोजमर्रा के जीवन के तनाव को दूर करने के लिए श्रेष्ठ माने गए हैं। यही कारण है कि कई टूरिस्ट डेस्टिनेशंस में स्पा सेंटर्स की मांग बढ़ती जा रही है।

ज्यादातर लोग कुछ दिन रिलैक्स करने के लिए अलग-अलग पर्यटन स्थलों की शॉर्ट या लॉन्ग ट्रिप प्लान करते हैं। ऐसी जगहों पर स्पा सेंटर्स की खासी मांग होती है, जिसका कारण है यहां मिलने वाली मसाज थैरेपी। अगर आपको लगता है कि यह मसाज हर व्यक्ति की अपनी टेक्निक पर आधारित होती है, तो आप गलत हैं। स्पा मैनेजमेंट कोर्स में स्पा से जुड़ी हर सर्विस की जानकारी व ट्रेनिंग दी जाती है। सर्विस सेक्टर से जुड़कर कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन है। स्पा मसाज उन विकल्पों में से एक है, जो रिलैक्सेशन और रोजमर्रा के जीवन के तनाव को दूर करने के लिए श्रेष्ठ माने गए हैं। यही कारण है कि कई टूरिस्ट डेस्टिनेशंस में स्पा सेंटर्स की मांग बढ़ती जा रही है। लेटेस्ट ट्रेंड्स के मुताबिक सर्विस इंडस्ट्री में स्पा मैनेजमेंट बेहतरीन करियर ऑप्शन के तौर पर उभरा है। अगर आपको भी सर्विस इंडस्ट्री में रुचि है, तो आप बन सकते हैं अच्छे स्पा मैनेजर।

क्या है स्पा मैनेजमेंट

जैसा कि नाम से जाहिर है, स्पा मैनेजमेंट में स्पा से जुड़ी हर एक्टिविटी प्लान की जाती है, जिसमें वीकली और मंथली प्लान बनाना, उस पर अमल और मार्केटिंग एक्टिविटीज का मूल्यांकन करना शामिल है। साथ ही स्पा का बजट बनाना व स्टाफ को रिक्रूट करके उन्हें ट्रेन करना भी स्पा मैनेजर के काम में शामिल है।

कैसी स्किल्स चाहिए

बतौर स्पा मैनेजर प्रभावशाली करियर बनाने के लिए आपमें कम्प्यूटर प्रॉफीशियंसी, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, बेहतरीन ऑर्गेनाइजेशनल स्किल्स, इंटर-पर्सनल स्किल्स और अच्छी लीडरशिप स्किल्स होनी चाहिए। इसके अलावा आपमें गेस्ट्स और स्टाफ से सकारात्मकता के साथ व्यवहार करने की क्षमता होनी चाहिए। इन स्किल्स से आपको इंडस्ट्री में एक उच्च स्तर तक पहुंचने में मदद तो मिलेगी ही, साथ ही जॉब के लिए सकारात्मक रवैया बनाए रखने और करियर के उतार-चढ़ाव से निपटने में भी मदद मिलेगी।

भविष्य की संभावनाएं

स्पा मैनेजर्स को पार्ट टाइम, फुल टाइम और कॉन्ट्रैक्चुअल बेसिस पर हायर किया जाता है। आप चाहें, तो खुद का स्पा सेंटर भी खोल सकते हैं। वैसे सर्विस इंडस्ट्री के सेग्मेंट्स जैसे होटल्स, रिजॉर्ट्स, हेल्थ क्लब्स, क्रूज शिप्स, थैराप्यूटिक सलून्स में आपको अच्छे पे-पैकेज पर जॉब मिल सकती है।

क्या है वर्क प्रोफाइल

बतौर स्पा मैनेजर आपके पास जनरल बुक कीपिंग, सप्लाइज ऑर्डरिंग, इन्वेंटरी मैनेजिंग और पे-रोल फंक्शंस के कोऑर्डिनेशन का काम होगा। इसके अलावा हर एक्टिविटी की प्लानिंग और उस पर अमल का जिम्मा भी आपका ही होगा। आपको स्पा का बजट मैनेज करने से लेकर वीकली वर्क शेड्यूल बनाने और स्टाफ के प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए वर्कशॉप्स कराने तक सारे काम करने होंगे। इसके अलावा नए स्पा प्रोडक्ट्स और अपग्रेडेशन का भी ध्यान रखना होगा।

सैलरी कितनी

स्पा मैनेजर्स की सैलरी उनके अनुभव व शिक्षा पर निर्भर होती है। यह भी मायने रखता है कि आप स्पा सेंटर को कितना बिजनेस दे रहे हैं। आम तौर पर फ्रैशर्स को 15 से 18 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी मिलती है, जो अनुभव के साथ बढ़ती है। वहीं प्रोफेशनल्स 10-15 लाख तक के पैकेज पर काम करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नैजरेथ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ऐजॉल (मिजोरम)
- आनंदा स्पा इंस्टीट्यूट, हैदराबाद
- स्वास्थ्य आयुर्वेद पंचकर्म ट्रीटमेंट एंड ट्रेनिंग सेंटर, कन्नूर
- माधवबाग इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, मुंबई
- केरल आयुर्वेद अकैडमी, अलूवा

प्रतियोगी परीक्षाओं में महत्वपूर्ण होंगे ये टिप्स

मेडिकल प्रवेश के लिए हर साल लाखों छात्र तैयारी करते हैं और अपनी-अपनी रणनीति तय करते हैं। कुछ टिप्स, जो न केवल मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी में, बल्कि किसी भी अन्य प्रतियोगी परीक्षा में भी महत्वपूर्ण होंगे। यहां यह बताना जरूरी है कि देश के लगभग सभी सफल लोगों की यही रणनीति रही है।

- सबसे पहले अपनी मेडिकल परीक्षा के सिलेबस को अच्छी तरह जान लें और उससे संबंधित अध्ययन सामग्री की लाइब्रेरी तैयार कर लें। उपयुक्त अध्ययन सामग्री के चयन में अपने शिक्षक से सलाह लें।
- तैयारी में अपनी पढ़ाई के घंटे न जोड़ें, बल्कि उन घंटों में अपनी उपलब्धि पर ध्यान दें।
- पिछले पांच वर्षों के प्रश्न-पत्र हल करने का प्रयास करें। आप समझ जायेंगे कि आपको कैसी जरूरत है।
- सेलेक्टिव स्टडी से बचें। किसी को भी सेलेक्टिव स्टडी के आधार पर कोई सफलता नहीं मिली।
- प्रश्न हल करने में तेजी लाने का अभ्यास करें, ताकि आपके पास अपने प्रश्न हल करने और उन्हें दोहराने का पूरा समय हो। इसके लिए टाइम मैनेजमेंट सबसे बढ़िया तरकीब है।
- तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर का चुनाव करते समय उसके पुराने ट्रैक रिकॉर्ड देख लें कि वहां सफलता की दर क्या है। फैकल्टी और अध्ययन सामग्री की जानकारी प्राप्त कर ही वहां दाखिला लें।
- अपनी शंकाओं की सूची तैयार करें और तत्काल अपने शिक्षक या गाइड से उसका समाधान लें।
- परीक्षा के समय के लिए भी कुछ टिप्स है। यदि आपको परीक्षा में ऐसा आभास हो कि कोई प्रश्न मुश्किल है और आपका ज्यादा समय ले रहा है तो उसे छोड़ कर आगे बढ़ जाएं। बाद में समय मिलने पर पुन: उस पर ध्यान दें।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 7 दिसंबर 2025

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

मप्र होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस पर हुआ आयोजन

मेधावी बालक और बालिकाओं को प्रोत्साहन राशि के चेक किए वितरित

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

होमगार्ड बैतूल द्वारा मध्य प्रदेश होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस 6 दिसंबर को पूरे सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर होमगार्ड लाइन सोनाघाटी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार, उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, एयर फोर्स स्टेशन आमला ग्रुप कैप्टन श्री सजीव सहित अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन, अतिरिक्त, श्री दिनेश कुमार मर्सकोले उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के आगमन पर परेड कमांडर एएसआई श्री बीरनसिह कुशराम द्वारा सलामी दी गई। सलामी पश्चात परेड कमांडर द्वारा परेड की रिपोर्ट दी जाकर मुख्य अतिथि से परेड का निरीक्षण करवाया गया। इसके बाद परेड द्वारा मार्च पास्ट किया गया। परेड में 2 प्लाटून और 2 सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स लगाए गए। परेड कमांडर एएसआई श्री बीरनसिह कुशराम, प्रथम प्लाटून के कमाण्डर श्री अवधेश वर्मा हवलदार स्टोरमैन, द्वितीय प्लाटून के कमांडर सै.क्र.167 नायक श्री दिलीप पवार एवं तृतीय प्लाटून के कमांडर सुश्री अंजलि नागोरी सिविल डिफेंस वालंटियर, चतुर्थ प्लाटून के कमांडर श्री इश्तियाक अली सिविल डिफेंस वालंटियर थे। होमगार्ड के मधुर बैंड की धुन पर परेड द्वारा मार्च पास्ट किया गया। बैंड का नेतृत्व सै.क्र. 72 श्री संतोष द्वारा किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार ने कहा कि होमगार्ड जवानों की देश और समाज की सेवा में निभाई गई भूमिका अमूल्य है। उन्होंने कहा कि आपके योगदान के कारण ही देश और समाज सुरक्षित हैं। आपके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन ने होमगार्ड के द्वारा पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिला कर कानून व्यवस्था बनाने, किसी भी प्रकार की आपदा एवं आंतरिक सुरक्षा में कठिन परिस्थितियों में सक्षमता से कर्तव्यों को पूरा करने की सराहना की और होमगार्ड विभाग के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड के आपातकालीन परिस्थितियों में उपयोग में आने वाले सुरक्षा उपकरणों का अवलोकन भी किया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

गृहमंत्री के संदेश का किया वचन

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार ने होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के अवसर पर गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा भेजे गये संदेश का वाचन किया। जिसमें सभी महानुभाव, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवियों के द्वारा स्वयं सेवा से परिपूर्ण होकर निष्काम भाव से देश के आंतरिक सुरक्षा एवं आपदा के दौरान सेवाएं देने के लिए शुभकामनाएं दी गईं। तत्पश्चात मुख्य अतिथियों ने विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्वयंसेवकों द्वारा वर्ष के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। वहीं मेधावी बालक और बालिकाओं को विभाग द्वारा प्रदान प्रोत्साहन राशि के चेक भी वितरित किए गए। पूरे कार्यक्रम को प्लाटून कमांडर सुनीता पंद्रे द्वारा अनुशासित ढंग से सादगी पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री इन्दल उपनारे द्वारा की गई। कार्यक्रम में विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी, स्वयंसेवक, सिविल डिफेन्स वालंटियर, स्कूली विद्यार्थी सहित नागरिक उपस्थित रहे।

बिना सिकमी पंजीयन कराने वाले 4 व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज

भावांतर भुगतान योजना की समीक्षा में बैतूल कलेक्टर ने पकड़ी अनियमितता

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में भावांतर भुगतान योजना का क्रियान्वयन शासन की मंशानुरूप सुनिश्चित किया जा रहा है। गुरुवार को बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने योजना में पंजीयन सत्यापन की विस्तृत समीक्षा की, जिसमें गंभीर अनियमितताएं सामने आई। समीक्षा में पाया गया कि प्राथमिक सहकारी समिति भैंसदेही और चिल्कापुर में बिना सिकमी (बटाई/ठेका) के पंजीयन कराया गया है। कलेक्टर के निर्देश पर इस गड़बड़ी में शामिल चार व्यक्तियों पर आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

जांच में सामने आए तथ्य

जिले की निर्धारित 56 समितियों की समीक्षा के दौरान दो समितियों में गड़बड़ी पाई गई। कलेक्टर ने तत्काल एसडीएम भैंसदेही और तहसीलदार भीमपुर को जांच सौंपकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जांच में सामने आया कि ग्राम बांटलाकलां (भैंसदेही) निवासी कृतिका धाड़से, रहियटदादु (चिचोली) निवासी भावेश धाड़से और मीनाक्षी धाड़से,इन तीनों ने बिना सिकमी पंजीयन कराया था। वहीं ग्राम जामझीरी (भैंसदेही) निवासी सहादेव मकोड़े द्वारा योजना शुरू होने से पहले नियमविरुद्ध पंजीयन कराया गया। वास्तविक भूमि स्वामियों ने स्पष्ट बताया कि वे स्वयं अपनी भूमि पर खेती कर रहे हैं और किसी को ठेका या बटाई पर भूमि नहीं दी है। इससे यह प्रमाणित हुआ कि योजना का लाभ गैरकानूनी ढंग से लेने की मंशा से पंजीयन कराया गया था।

ज्वार खरीदी में भी 26 करोड़ से अधिक का नुकसान कलेक्टर की माइक्रो मॉनिटरिंग से टला

उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी ज्वार खरीदी में कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की माइक्रो मॉनिटरिंग से शासन को 26 करोड़ रुपये से अधिक के संभावित आर्थिक नुकसान से बच गया। समर्थन मूल्य पर ज्वार खरीदी के दौरान जिले में अनुचित लाभ लेने की मंशा से लगभग 1043 अवैध पंजीयन कराए गए थे, जिन्हें समय रहते असत्यापित कर दिया गया। कलेक्टर की सतर्कता और निरंतर निगरानी के कारण ये अवैध पंजीयन खरीदी प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पाए और शासन को भारी आर्थिक हानि होने से टल गई।

भुगतान पर रोक, दो राजस्व अधिकारियों को नोटिस

कलेक्टर की सजगता और तत्परता से शासन को आर्थिक नुकसान होने से बचा लिया गया। उन्होंने न केवल चारों व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल पुलिस अधीक्षक से चर्चा कर एफआईआर करवाई बल्कि चारों के भुगतान पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने पंजीयन सत्यापन में लापरवाही पाए जाने पर तहसीलदार भीमपुर और नायब तहसीलदार झल्लार को नोटिस जारी कर जवाब-तलब भी किया हैं।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

बरसात में दलदल बनने वाला रास्ता अब हुआ सुगम

बासिंदा सुखाढाना से डांडलभूरू तक 3 किमी ग्रेवल सड़क निर्माण से आवागमन हुआ सुगम

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

भीमपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत बासिंदा के ग्रामीणों को अब बरसात के दिनों की परेशानी से छुटकारा मिल गया है। कई वर्षों से कच्चे और गड्ढों से भरे मार्ग पर चलने को मजबूर ग्रामीणों के लिए बासिंदा सुखाढाना से डांडलभूरू (बड़ाकोल) तक बनाई गई 3 किलोमीटर लंबी ग्रेवल सड़क अब तैयार हो चुकी है। इस मार्ग को भैंसदेही विधायक महेन्द्र सिंह चौहान ने प्राथमिकता में रखा था। उनकी अनुशंसा पर मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना मद से 118.54 लाख रुपए की लागत स्वीकृत हुई, जिसके बाद ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बैतूल ने सड़क का निर्माण कार्य समय पर पूरा किया। ग्रेवल सड़क बन जाने से अब बासिंदा, सुखाढाना और डांडलभूरू के ग्रामीणों को वर्षभर आवागमन में सुविधा मिलेगी। स्कूल आने-जाने वाले बच्चों, किसानों और मरीजों को अब किसी भी मौसम में परेशानी नहीं होगी। सड़क निर्माण पूर्ण होने पर ग्रामीणों ने विधायक श्री चौहान का आभार व्यक्त किया है।

जनता की मांगों को लेकर छठवें दिन की क्रमिक अनशन जारी

सारणी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सारणी जलावर्धन योजना के अंतर्गत नगर पालिका परिषद सारणी के 4000 वसूली का फरमान जारी होते ही नपा सारणी क्षेत्र की जनता के पैरों के नीचे से मानो जमीन ही खिसक गई हो और आम जनता का गुस्सा नपा सारणी के खिलाफ देखते ही बन रहा है संपूर्ण क्षेत्र की जनता की आवाज बनकर कांग्रेस कमेटी एवं सभी कांग्रेसी पार्षद सड़कों पर उतरकर नपा सारणी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगे और क्रमिक भूख हड़ताल कार्यालय के सामने 1/ 12/25 से प्रारंभ कर दी ब्लॉक कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष विक्की सिंह पचू खान ने प्रेस एक व्यक्ति जारी करते हुए बताया कि क्रमिक अनशन का छतवा दिन संजय मांडवे सोहेब खान क्रमिक अनशन पर बैठे हैं गौरतलप है कि भाजपा शासित नगर पालिका में नगर पालिका प्रशासन में आम जनता को राहत दिए जाने पर चुप्पी साध ली है आज तक कोई भी जिम्मेदार आंदोलन स्थल पर बात करने तक नहीं पहुंचा है वहीं नपा अध्यक्ष किशोर बरदे अपने सत्ता के मध में बिल्कुल ही बेफिक्र दिखाई दे रहे हैं शायद भूल चुके हैं कि साल 2 साल बाद उन्हें सीधे जनता का फिर से सामना करना पड़ेगा तब वे जनता से किस मुंह से जवाब देंगे पूर्व ब्लाक अध्यक्ष नेहरू सिंह राजपूत एवं मोहम्मद इलियास ने कहा कि हम जल आवर्धन योजना का विरोध बिल्कुल ही नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमारे क्षेत्र की जनता को पानी मिल रहा है हमारा विरोध सिर्फ इतना है कि जनता को गुमराह कर नपा प्रशासन क्षेत्र की आम जनता से पानी के नाम पर खुली लूट मचा दी है।

व्यापारी पर हमला करने वाले गिरफ्तार

कार के कांच फोड़े थे, व्यवसायी को डंडे से पीटा था; चार आरोपी अब भी फरार

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल के गंज थाना क्षेत्र में 2 दिसंबर की रात व्यापारी राहुल हिरानी पर हुए हमले के मुख्य आरोपी शिवम उर्फ लाला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को पुलिस ने आरोपी का जुलूस भी निकाला। इसे सोनाघाटी इलाके से पकड़ा गया है।

इस मामले में चार अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपी शिवम उर्फ लाला का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ पहले भी हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस इस हमले को आपराधिक प्रवृत्ति से जोड़कर देख रही है।

ये है पूरा मामला

व्यापारी का आरोपी से कोई पुराना विवाद नहीं था। घटना की रात व्यापारी पान की दुकान पर खड़ा था। इसी दौरान आरोपी लाला का अन्य किसी व्यक्तियों से विवाद चल रहा था। इस विवाद के दौरान लला ने व्यापारी की कार का कांच तोड़ दिया था। इस पर व्यापारी ने विरोध जताया तो आरोपी ने बेस बाल के बैट जैसे दिखने वाले डंडे से उस पर अपने अन्य साथियों के साथ हमला कर दिया।

आरोपी पर पहले से तीन केस दर्ज हैं

एसडीओपी सुनील लाटा ने बताया कि सीसीटीवी के आधार पर आरोपी लाला को गिरफ्तार किया गया है। बाकी अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास के तीन मामले पहले से दर्ज है। गंज थाना पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और सभी आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए जनता से सहयोग की अपील भी की है।

8.5 डिग्री रिकॉर्ड हुआ न्यूनतम तापमान, किसानों को पाले से बचने की सलाह

बैतूल में रात का पारा ढाई डिग्री गिरा

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल जिले में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के चलते बीती रात तापमान में ढाई डिग्री (2.5डिग्री) की भारी गिरावट दर्ज की गई। शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिसने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। शुक्रवार रात यह 11.2 डिग्री था।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई बर्फबारी के बाद ठंडी हवाएं अब मध्य प्रदेश की ओर बढ़ रही हैं। इसी के चलते बैतूल और आसपास के इलाकों में तापमान में अचानक गिरावट आई है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह से ठंड और बढ़ने की संभावना जताई गई है।

चाय की दुकानों पर बढ़ी भीड़: शहर में ठंड का असर साफ दिखाई दे रहा है। सुबह-शाम ठंडी हवाओं के कारण सड़कों पर सन्नाटा है। लोग स्वेटर, मफलर और जैकेट में लिपटे नजर आ रहे हैं, वहीं चाय-नाश्ते की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है।

अगले 3 दिन कैसा रहेगा मौसम?

तापमान: अगले दो से तीन दिनों तक रात का तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
मौसम: दिन में हल्की धूप रहेगी, लेकिन ठंडी हवाएं चलने से मौसम शुष्क बना रहेगा।
बारिश: इस दौरान बारिश की कोई संभावना नहीं है।

किसानों के लिए जरूरी सलाह

तेज ठंड को देखते हुए मौसम विभाग ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है:
बुआई: चना, गेहूं, मसूर और मटर जैसी रबी फसलों की बुआई के लिए यह समय उपयुक्त है।
सिंचाई: रात का तापमान कम होने से मिट्टी में नमी बनी रहती है, इसलिए सिंचाई का अंतराल बढ़ा दें।
पाले से बचाव: फसलों को ओस और पाले से बचाने के लिए खेतों के चारों ओर धुआं करें या हल्की सिंचाई करें।
सब्जी: किसान टमाटर, गोभी और मटर की नर्सरी लगा सकते हैं।

तनिष्क सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया बैतूल का नाम

बैतूल। सतपुड़ा वैली स्कूल के होनहार छात्र तनिष्क सिंह सोलंकी ने राष्ट्रीय स्तर पर बैतूल का नाम रोशन किया है। तनिष्क सिंह सोलंकी को मध्य प्रदेश की अंडर-19 क्रिकेट टीम में चुना गया है। यह टीम हिसार, हरियाणा में आयोजित होने वाले नेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। तनिष्क सिंह सोलंकी की यह उपलब्धि उनकी मेहनत और प्रतिभा का परिणाम है। सतपुड़ा वैली स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती दीपाली निलय डागा, प्राचार्य ऋतू वाजपेयी मैम, प्रबंधक शिव शंकर मालवी और स्कूल परिवार ने तनिष्क सिंह सोलंकी को इस शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गौशाला संचालक अम्मा जी को समिति ने भेट किए गर्म कपड़े कंबल, सेवाभाव से मनाया जन्मदिवस

सारनी, राष्ट्रबाण। वार्ड 10 दमुआ रोड़ स्थित अम्मा की गौशाला की संचालक अम्मा जी को समिति ने गर्म कपड़े एवं कंबल भेट किए.इस मौके पर समिति ने गौशाला के विस्तारिय करण को लेकर चर्चा की. गौ शाला समिति के सचिव जगदीश आहुजा का जन्म दिवससादगी से मनाया गया.गौरतलब रहे की अम्मा की गौशाला के विधिवत रुप से संचालन के लिए गठित की गई समिति के पदाधिकारी हर संभव अम्मा की गौशाला के लिए गायों के लिए घास-भूसा रखरखाव और गायों की सुरक्षा को लेकर सजग होकर कार्य करने की योजना पर चर्चा की गई.सनद रहे की विगत दिनों अम्मा की गौशाला में तेदुआ द्वारा गाय के बचढ़े का शिकार कर लिया गया था इस उद्देश्य से गौशाला के चारो तरफ बाउंड्रीबल निर्माण की मांग नगर पालिका से की गई। अम्मा द्वारा लंबे समय से गौशाला का संचालन किया जा रहा है अम्मा जी गौशाला पहुंचे लोगों ने एक स्वर में कहा की गौशाला का विस्तारीय करण के लिए हर स्तर का वार्ता की जा रही है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 07 दिसंबर 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने किया जिला चिकित्सालय का मेगा निरीक्षण

व्यवस्थाओं में बड़े सुधार की तैयारी, ट्रॉमा यूनिट को दुरुस्त करने पर विशेष जोर

राष्ट्रबाण बालाघाट| डेस्क rashtrabaan.in

कलेक्टर श्री मृणाल मीना द्वारा जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, सुव्यवस्थित, अनुशासित व मजबूत बनाने के लिए दिए गए निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने 06 दिसंबर को जिला अस्पताल के प्रत्येक वार्ड का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर मेगा राउंड लिया। उनके साथ आर.एम.ओ. (ऋस्ह्र) डॉ. सुषमा गोयल, मैनेजर इरफान बेग, इंजीनियर अंजू बिसेन, मेट्रॉन, हाउसकीपिंग सुपरवाइजर, सिक्योरिटी सुपरवाइजर, क्वालिटी कंट्रोल टीम से निशा लिल्हारे, जितेंद्र हरिनखेड़े, संजय श्रीवास्तव और डालचंद निनावे सहित पूरा अमला मौजूद रहा। डॉ. निलय जैन ने बताया कि यह निरीक्षण मुख्य रूप से अस्पताल की संपूर्ण व्यवस्था को दुरुस्त करने और विशेषकर ट्रॉमा यूनिट में बिगड़ी व्यवस्था को सुधारकर व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के लिए किया गया है।

ट्रॉमा यूनिट में नई व्यवस्था

सिविल सर्जन डा. निलय जैन ने बताया कि जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए निर्णय लिया गया है कि पुरुषों का ट्रॉमा यूनिट के अंदर प्रवेश प्रतिबंधित किया जाएगा।आशा कार्यकर्ताओं के प्रवेश पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। विज़िटर रजिस्टर में साइन, आधार नंबर और संबद्ध मरीज का नाम लिखना अनिवार्य होगा। लेबर रूम व आपरेशन थियेटर में आशा कार्यकर्ताओं का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।प्रत्येक मरीज की काउंसलिंग वीडियो कैमरे के सामने की जाएगी। सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि अस्पताल में व्यवस्था सुधार के महत्वपूर्ण एवं प्रमुख निर्णय लिए गए हैं। जिसमें मरीजों की जानकारी, गंभीर स्थिति, शिकायतों व पैसों के लेनदेन की सूचना के लिए अनाउंसमेंट कक्ष बनाया जा रहा है। मरीजों की सुविधा के लिए लिफ्ट सेवा पुनः चालू कर दी गई है। मरीजों की सुविधा के लिए 24 घंटे पीने के शुद्ध पानी के लिए दो आरओ प्लांट शुरू किए गए हैं। वार्ड और गलियारों में खाना खाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। जिला चिकित्सालय में 01 जनवरी से टोकन सिस्टम लागू किया जाएगा और इसमें एक मरीज के साथ केवल एक अटेंडेंट को ही अनुमति मिलेगी। अस्पताल परिसर के अंदर प्राइवेट एंबुलेंस का प्रवेश बंद रहेगा। ट्रॉमा यूनिट में ट्रायज सिस्टम की व्यवस्था की जाएगी। जिसके अंतर्गत प्रवेश के तुरंत बाद प्रत्येक मरीज की जांच मुख्य द्वार पर स्थित ट्रायज रूम में की जाएगी, जिसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, एंटिनेटल (गर्भवती मरीजों के लिए) की जांच कर मरीज को स्थिति के अनुसार उचित वार्ड में भर्ती किया जाएगा। डॉ. निलय जैन ने कहा कि कलेक्टर श्री मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय लगातार प्रगति की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से अपील की कि वे व्यवस्था को सुचारू रखने में सहयोग दें।

डीईओ श्री उपाध्याय ने स्कूल प्राचार्यो की ली समीक्षा बैठक

स्कूलों के तिमाही परीक्षा परिणाम को लेकर हुई चर्चा

राष्ट्रबाण बालाघाट| डेस्क rashtrabaan.in

जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी कुमार उपाध्याय ने 06 दिसंबर को जिले के समस्त शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यो के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। इस दौरान उन्होंने वर्ष 2025-26 में स्कूल के तिमाही परीक्षा में 40 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले संस्था प्राचार्यो के साथ विस्तार से चर्चा की। यह बैठक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में आयोजित की गई, जिसमे हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के तिमाही परीक्षा में 40 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों के प्राचार्य एवं जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट के 40 संस्था प्राचार्यो की उपस्थिति रहीं।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्याय ने वर्ष 2025-26 में स्कूलों के तिमाही परीक्षा में 40 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग की विस्तार से समीक्षा की और प्राचार्यो को निर्देशित किया कि प्रतिदिन स्वयं समय पर उपस्थित रहकर शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराए। सभी प्राचार्य डी एवं ई ग्रेड वाले विद्यार्थियों की सूची, रेमीडियल कक्षों के आयोजन के लिए समय सारणी एवं अकादमिक कार्य योजना अपने टेबल पर रखेगें, ताकि निरीक्षण के दौरान उसका अवलोकन किया जा सके। सभी प्राचार्य अकादमिक कार्य योजना शैक्षणिक कलेण्डर अनुसार तैयार करेगें एवं रेमिडियल कक्षा के कालखण्ड विषयवार प्रतिदिन के हिसाब से तैयार करेगें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को निर्देशित किया जाए कि पढाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को लिखकर पढने का अभ्यास कराए।

डीईओ श्री उपाध्याय द्वारा प्राचार्यो से वन टू वन चर्चा के दौरान गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, और सामाजिक विज्ञान में कम अंक आने के कारणों का विश्लेषण कर सुधारात्मक कदम उठाने के लिए निर्देशित किया गया। प्राचार्यो ने बताया कि तिमाही परीक्षा की तुलना में अर्द्धवार्षिक परीक्षा का परिणाम बेहतर हुआ है । उन्होंने आश्वासन दिया है कि वार्षिक परीक्षा के लिए शत-प्रतिशत लक्ष्य लेकर अकादमिक कार्य योजना तैयार की जा रही है और उस दिशा में कार्य किया जा रहा है ।

खैरलांजी महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय बैंकिंग वित्तीय साक्षरता शिविर का हुआ समापन

राष्ट्रबाण बालाघाट| डेस्क rashtrabaan.in

वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी मे प्राचार्य श्री के.एल. हिवारे के निर्देशन एवं स्वामी विवेकानंद कॅरिअर मार्गदर्शन योजना कार्यक्रम अधिकारी श्री रोहित कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन मे आयोजित दो दिवसीय बैंकिंग वित्तीय साक्षरता शिविर का 06 दिसम्बर को समापन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य श्री के. एल. हिवारे द्वारा की गई। इस अवसर पर प्राचार्य श्री हिवारे ने विद्यार्थियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के महत्व एवं वित्तीय जागरूकता पर प्रेरक उद्बोधन प्रदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित विशेष अतिथि केनरा बैंक प्रबंधक अधिकारी श्री आलोक रोशन गुड़िया ने बैंकिंग वित्तीय साक्षरता से सबंधित विस्तृत और सारगर्भित विभिन्न जानकारी विद्यार्थियों के बीच साझा की एवं बैंक प्रतिनिधि श्री राहुल भगत (विकास खंड समन्वयक, खैरलांजी) ने योजनाओं की संरचना, पात्रता व लाभों पर सरल व महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर श्री महेश लिल्हारे (केनरा बैंक, खैरलांजी) ने बीमा योजनाओं की प्रक्रिया, डिजिटल बैंकिंग, व पेंशन योजनाओं के महत्व को विस्तृत रूप से समझाया। श्री नीलेश (बैंक सुपरवाइज़र) ने योजना मॉनिटरिंग, दावा प्रक्रिया एवं सुरक्षित बैंकिंग व्यवहार पर दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बालाघाट की प्रमुख भूमिका रही।

शिविर के समापन के दिन रिकॉर्ड संख्या में छात्रों ने पंजीयन कराया। प्राचार्य श्री हिवारे ने बताया कि पहली बार इतने विद्यार्थियों ने लाइव बीमा रजिस्ट्रेशन किया। छात्राओं ने अटल पेंशन योजना में विशेष उत्साह दिखाया। इस दौरान डिजिटल बैंकिंग और सुरक्षा प्रक्रियाओं को भी व्यावहारिक रूप से सीखा गया। छात्र छात्राओं ने बताया कि÷हमें पहली बार योजनाओं की पूरी जानकारी सरल और स्पष्ट रूप में मिली। यह हमारे भविष्य के लिए बहुत जरूरी था। वहीं प्राचार्य श्री हिवारे ने कहा कि ÷सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ छात्रों के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव रखती हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की समीक्षा बैठक

समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

राष्ट्रबाण बालाघाट| डेस्क rashtrabaan.in

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री संजीव झा द्वारा 06 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को समयसीमा में पूर्ण करने के विस्तृत निर्देश दिए गए।

बैठक में सर्वप्रथम निर्देशित किया गया कि सभी बीएलओ अपनेङ्कअपने मतदान केन्द्रों पर बीएलए के साथ बैठक करें और बीएलओ सुपरवाइजर की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान स्ध्क्र एवं ह्श्र स्ड्डश्चश्चद्गठ्ठ वाले मतदाताओं की मैनुअल सूची तैयार कर उसका पंचनामा, फोटोग्राफ/वीडियोग्राफी एवं मिनट्स ईआरओ को भेजने के निर्देश दिए गए।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इन सूचियों का वाचन ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभाओं तथा नगरीय क्षेत्रों में वार्ड सभाओं में किया जाए। इसके बाद सूची को संबंधित मतदान केन्द्र पर चस्पा किया जाएगा। इस प्रक्रिया के लिए नगरपालिका अधिकारियों और जनपद पंचायत सीईओ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में यह भी तय किया गया कि बीएलओङ्कबीएलए की सभी बैठकों का रिकॉर्ड जिसमें पंचनामा, फोटो, वीडियो एवं मिनट्स शामिल हैं संधारित कर जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजा जाए, ताकि इसे जिला वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। यह संपूर्ण कार्य 9 दिसंबर 2025 तक पूर्ण करना अनिवार्य होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि बीएलओ मतदाताओं को वितरित किए गए गणना पत्रकों का 100 प्रतिशत संग्रह समय पर सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि बीएलओ एप के अपडेटेड संस्करण में दो नए मॉड्यूल जोड़े गए हैं, जिनके माध्यम से 85+ और स्ठ्ठ श्रेणी के मतदाताओं का सत्यापन एवं फॉर्म-6, फॉर्म-8 के साथ अनिवार्य डिक्लेरेशन अपलोड किया जा सकेगा। सभी श्वक्रह्र को निर्देश है कि वे इसे बीएलओ तक प्रभावी रूप से संप्रेषित करें। शिक्षकों को बीएलओ के रूप में नियुक्त करने से पहले विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया, ताकि शैक्षणिक कार्य प्रभावित न हो। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्ढ्ढक्रकार्यों के बेहतर निष्पादन हेतु बीएलओ द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की क्क्षह्यद्बह्लद्ब1द्ग स्ह्लश्ह्लद्गद्गह्य तथा वीडियो भेजने को कहा, जिससे चयनित सामग्री भारत निर्वाचन आयोग द्वारा साझा की जा सके।दावाङ्कआपत्ति अवधि में प्रतिदिन 50 से अधिक मामलों की सुनवाई नहीं करने के निर्देश पुनः दोहराए गए तथा आवश्यकता होने पर अतिरिक्त श्वक्रह्र का प्रस्ताव 8 दिसंबर तक भेजने को कहा गया। वहीं, ह्श्र स्ड्डश्चश्चद्गठ्ठ से संबंधित सभी कार्य 11 दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस पर अनुशासन और सेवा भाव का शानदार प्रदर्शन

राष्ट्रबाण बालाघाट| डेस्क rashtrabaan.in

63वाँ होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह आज होमगार्ड लाइन (आकाशवाणी के सामने) बालाघाट में गरिमामय एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर एवं विशिष्ट अतिथि अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे थे। दोनों अतिथियों का स्वागत डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट श्रीमती रजनी खटीक द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। प्रातः 10.30 बजे मुख्य अतिथि को परेड द्वारा सलामी दी गई, तत्पश्चात उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। परेड में प्लाटून कमाण्डर श्री श्याम सिंह धुर्वे एवं टू.आई.सी. श्री महेश कुमार उइके ने नेतृत्व करते हुए उत्कृष्ट समन्वय प्रस्तुत किया। दो प्लाटून होमगार्ड जवानों तथा दो टुकड़ियों सिविल डिफेंस वालेंटियर्स ने प्रभावी मार्च-पास्ट कर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। पुलिस/एस.ए.एफ. एवं होमगार्ड की संयुक्त बैंड पार्टी ने आकर्षक धुनों से माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट श्रीमती रजनी खटीक द्वारा गृह मंत्री माननीय अमित शाह तथा गृह सचिव माननीय गोविंद मोहन के संदेशों का वाचन किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती ठाकुर ने सभी जवानों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए आपदा, बाढ़ एवं रेस्क्यू कार्यों में होमगार्ड की सतत् सेवाओं की सराहना की।

कार्यक्रम में होमगार्ड परिवार के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। मुख्य अतिथि द्वारा नवीन सैनिक बैरक का शुभारंभ भी किया गया। एस.डी.ई.आर.एफ. टीम ने आपदा प्रबंधन से संबंधित आधुनिक उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई तथा विभिन्न तकनीकों का लाइव डिमॉन्स्ट्रेशन प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने रुचि के साथ देखा। यह प्रदर्शन आपदा की स्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के महत्व को रेखांकित करता रहा।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने वाले होमगार्ड, एस.डी.ई.आर.एफ. एवं सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में स्वल्पाहार वितरण के उपरांत डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट द्वारा आभार व्यक्त करते हुए समारोह का समापन घोषित किया गया।

परेड एवं आपदा प्रबंधन प्रदर्शन बने आकर्षण का केंद्र

होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस का हुआ आयोजन

राष्ट्रबाण बालाघाट| डेस्क rashtrabaan.in

होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के 63वें स्थापना दिवस के अवसर पर 06 दिसम्बर 2025 को होमगार्ड लाइन (आकाशवाणी के सामने) बालाघाट में भव्य एवं अनुशासित समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर तथा विशिष्ट अतिथि अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे के आगमन पर डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट श्रीमती रजनी खटीक द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। प्रातः 10.30 बजे शुरू हुए समारोह में मुख्य अतिथि को परेड द्वारा सलामी दी गई, जिसके बाद परेड का निरीक्षण एवं प्रभावशाली मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया गया। इस परेड का नेतृत्व प्लाटून कमाण्डर श्री श्याम सिंह धुर्वे एवं टू.आई.सी. श्री महेश कुमार उईके ने किया। होमगार्ड के दो प्लाटून तथा सिविल डिफेंस वालेंटियर्स की दो टुकड़ियों ने उत्कृष्ट शारीरिक अनुशासन का प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह की तालियाँ बटोरीं। पुलिस/एसएएफ/होमगार्ड की संयुक्त बैंड पार्टी ने कार्यक्रम में सुमधुर ध्वनियों से उत्साह का संचार किया। समारोह में डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट श्रीमती रजनी खटीक द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह एवं गृह सचिव श्री गोविंद मोहन के संदेशों का वाचन किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती भारती ठाकुर ने जवानों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए बाढ़ आपदा एवं रेस्क्यू कार्यों में होमगार्ड के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर होमगार्ड परिवार के बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि द्वारा नवीन सैनिक बैरक का शुभारंभ भी किया गया। वहीं एसडीईआरएफ टीम द्वारा आधुनिक आपदा प्रबंधन उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई और विभिन्न रेस्क्यू तकनीकों का लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने अत्यंत रुचि के साथ देखा। यह प्रदर्शन आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के महत्व को दर्शाता रहा। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सेवाएँ देने वाले होमगार्ड, एसडीईआरएफ एवं सिविल डिफेंस वॉलेंटियरों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट श्रीमती रजनी खटीक ने सभी अधिकारियों, जवानों एवं वॉलेंटियर्स को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा स्वल्पाहार वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पीजी कॉलेज बालाघाट में एड्स जागरूकता सप्ताह का किया गया समापन

राष्ट्रबाण बालाघाट| डेस्क rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन 01 दिसंबर से क्रियान्वित एड्स जागरूकता सप्ताह का शनिवार 06 दिसंबर को समापन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर तथा नुक्कड़ नाटक आदि के द्वारा जन जागरूकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर जिला चिकित्सालय से एआरटी मेडिकल ऑफिसर डॉ मीनल नगपुरे, एड्स नोडल अधिकारी डॉ सुषमा गोयल, डीएसआरसी काउंसलर नूतन बोरकर, आईसीटीसी से सीमा मिर्जा तथा लैब टेक्नीशियन डिंपी पंचेश्वर ने विद्यार्थियों को एड्स के लक्षण तथा इससे बचाव के उपचार आदि के बारे में जानकारी प्रदान की तथा समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन तथा नुक्कड़ नाटक के द्वारा सप्ताह भर के कार्यक्रम में अपनी सहभागिता करने पर विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में रेड रिबन प्रभारी डॉ शाजिया तबस्सुम, डॉ पुष्पलता कमलेशिया, एनएसएस प्रभारी बालिका इकाई डॉ रचना कोरी, एनएसएस प्रभारी बालक इकाई सुखचंद ऐडे तथा एनसीसी प्रभारी डॉ. गजानन कटरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 7 दिसंबर 2025

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

सरपंच पति का 'सरकारी डकैती' कांड

अवैध प्लॉटिंग और पत्थरों का काला कारोबार

इस काले कारोबार में अब मुरम का मामला सामने आया है जहां पर सरपंच पति द्वारा जानबूझकर सरकारी जमीनों पर मुरम डंप किया जा रहा था। जब ग्रामवासियों ने इस पर सवाल उठाया तो सरपंच पति ने गोलमोल जवाब दिया कि वह एक छोटी सी कॉलोनी के लिए रास्ता बना रहे हैं।

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

गाँव की भोली-भाली जनता को गुमराह कर, सरकारी खजानों पर डाका डालने की सनसनीखेज साजिश का पर्दाफाश लगातार हो रहा है। मामला जिला मुख्यालय के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिठली के ग्राम राघादेही का है। जहाँ की सरपंच पति शिवनंदन चंद्रवंशी और सचिव सुनील बघेल पर सीधे-सीधे सरकारी जमीन हड़कर और पत्थरों का अवैध व्यापार करने का संगीन आरोप ग्रामवासी लगा रहे है।

सरकारी जमीन पर 'कच्ची कॉलोनी' का गोरखधंधा

ग्रामीणों के आरोपों के मुताबिक सरपंच पति ने सरकारी खसरा नंबर 237/1, 237/2, 235/1 और 239 पर अपनी टेढ़ी नजर गड़ा दी है। हैरानी की बात यह है कि खसरा नंबर 237/1 जो पहले से ही कौशर खान के नाम पर दर्ज है उसमें सरपंच पति शिवनंदन और सचिव सुनील बघेल ने चालाकी से अपना भी नाम दर्ज करवा लिए हैं। हाल ही में गाँव के तालाब गहरीकरण के मामले से ग्राम में गरम गर्मी बनी हुई है और उसके बाद से ही ग्राम वासियों द्वारा खुलकर मीडिया को जानकारी दे रहे है।

वही अब मुरम का मामला सामने आया है जहां पर सरपंच पति द्वारा जानबूझकर सरकारी जमीनों पर मुरम डंप किया जा रहा था। जब ग्रामवासियों ने इस पर सवाल उठाया तो सरपंच पति ने गोलमोल जवाब दिया कि वह एक छोटी सी कॉलोनी के लिए रास्ता बना रहे हैं। ग्रामीणों ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कॉलोनी के लिए पूर्व से ही खसरा नंबर 239 (सरकारी जंगल मद) से पहले ही रास्ता मौजूद है। ग्रामीणों का वही सीधा आरोप है कि यह मुरम रास्ते के लिए नहीं बल्कि खसरा नंबर 235/1 और 237/2 जैसी बहुमूल्य सरकारी भूमि पर कच्ची कॉलोनी काटकर प्लॉट बेचने की घिनौनी साजिश का हिस्सा है।

सरपंच पद सिर्फ नाम का 'पति राज' ही काम का

वही ग्राम वासियों ने पंचायत के कामकाज के तरीके पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जब से शारदा चंद्रवंशी सरपंच बनी हैं, तब से ग्राम सभाओं का अता-पता नहीं है। पंच और सदस्य बमुश्किल ही सभा में आते हैं। इसके बजाय, सभा रजिस्टर को घर-घर घुमाकर जबरदस्ती हस्ताक्षर करवाए जाते हैं।

सबसे बड़ा खुलासा यह है कि सरपंच शारदा चंद्रवंशी का पद सिर्फ नाम का रह गया है। चाहे नाली निर्माण हो या सड़क निर्माण, हर काम में सरपंच पति शिवनंदन चंद्रवंशी ही सर्वेसर्वा बने रहते हैं। ग्रामीणों ने दहाड़कर कहा कि नाम सरपंच शारदा का पति शिवनंदन ही करता है। इस तरह सरपंच पति सरकार के महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य को भी पलीता लगा रहा है।

यह मामला केवल सरकारी जमीन हड़पने का नहीं, बल्कि पंचायत की संवैधानिक प्रक्रियाओं का मजाक उड़ाने के साथ साथ आदिवासी किसानों के हितों की अनदेखी करने और प्राकृतिक संसाधनों को निजी फायदे के लिए लूटने का है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस सरपंच पति राज और पत्थर माफिया के गठजोड़ पर कब नकेल कसता है या फिर ऐसे ही तमाशा बरकरार रहेगा।

शिवनंदन चंद्रवंशी, सरपंच पति : ग्रामवासी की आड़ में काट रहा स्वार्थ का झाड़।

केशव अग्रवाल, क्रेशर कारोबारी : अपना काम बनता भाड़ में जाये जनता।

केशव अग्रवाल का खेल

ग्रामवासियों ने स्पष्ट कहा कि केशव अग्रवाल ग्राम हित में नहीं, बल्कि अपने फायदे के लिए काम कर रहे हैं। उन्हें क्रेशर के लिए पत्थर चाहिए और वह पत्थर पंचायत की सरकारी भूमि और तालाब की आड़ से निकलवाना चाहता है। यह सीधा-साधा, बेशर्मी भरा पत्थर निकालने का काला कारोबार है।

तालाब गहरीकरण या पत्थर निकालने का काला कारोबार?

ग्राम राघादेही में बन रहे नए तालाब को लेकर भी ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। सरपंच पति ने पूर्व में कलेक्टर कार्यालय के सामने से एक वीडियो जारी कर दावा किया था कि यह तालाब किसानों के लिए वरदान साबित होगा। मगर ग्रामीणों का कहना है कि यह प्रस्ताव चालाकी से पारित करवाया गया है। जिसमें पानी का सच यह है कि ग्रामीणों के अनुसार इस तालाब का पानी किसानों से ज्यादा धन्ना सेठों की जमीन को फायदा पहुँचा रहा है। वही आदिवासी किसानों को पानी नसीब नहीं हो रहा।

जिसमें गहरी साजिश बताते हुए ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि यह तालाब गहरीकरण की आड़ में क्रेशर संचालक केशव अग्रवाल, सरपंच पति और सचिव की खुली मिलीभगत का परिणाम है। उनका दावा है कि वहाँ पहले से एक गहरा तालाब मौजूद है। लेकिन इस नए तालाब का मकसद पानी नहीं, बल्कि पत्थर का अवैध व्यापार है।

किन्नर ने बधाई राशि नहीं मिलने पर की मारपीट

सनसनीखेज: किन्नर की धमकी और मारपीट से न्यायालय परिसर में हड़कंप

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला न्यायालय परिसर में मंगलवार को उस वक्त बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। जब एक किन्नर ने कथित तौर पर एक युवक को जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ-मुक्कों से पीट दिया। युवक का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने नवजात शिशु की बधाई के लिए किन्नर को इच्छानुसार राशि नहीं दी थी। यह चौंकाने वाली घटना अधिवक्ताओं के चैंबर के भीतर घटित हुई। जिसने सबको स्तब्ध कर दिया।

कम बधाई देना पड़ा महंगा

वही प्राप्त जानकारी के अनुसार सिवनी के मंगलीपेठ निवासी संदीप पिता मुन्नालाल विश्वकर्मा के घर तीन महीने पहले उनके पुत्र का जन्म हुआ है। संदीप विश्वकर्मा ने थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज करवाई कि दिन मंगलवार 2 दिसंबर को किन्नर कशिश अपने साथियों के साथ उनके घर बधाई लेने आई थी, लेकिन संदीप ने उन्हें बधाई की राशि नहीं दी। दोपहर करीब 02:30 बजे संदीप किसी काम से अधिवक्ता अभिषेक वर्वे के चैंबर क्रमांक 6 न्यायालय परिसर गए थे। वहीं पर कशिश किन्नर भी अपने अधिवक्ता अभिषेक उपाध्याय से मिलने पहुंची। फिर जैसे ही संदीप को देख वैसे ही कशिश किन्नर का पारा चढ़ गया और उसने विवाद शुरू कर दिया।

गालियों की बौछार, फिर मारपीट

शिकायतकर्ता संदीप के अनुसार कशिश किन्नर ने उन्हें देखते ही आग-बबूला होकर कहा तूने मेरे चेलों को 51 हजार की बधाई क्यों नहीं दी? इतना कहते ही कशिश ने संदीप को मां-बहन की गंदी-गंदी गालियां देनी शुरू कर दीं जो सुनने में भी बेहद भद्दी थीं। जब संदीप ने गाली देने से रोका, तो कशिश हिंसात्मक हो गई। उसने संदीप को हाथ-मुक्कों से मारा, गला दबाया, और पीठ में भी मुक्के बरसाए। इस हमले में संदीप के मुंह के नीचे दाहिनी कनपटी में खरोंच आई है।

आज रात जान से मार दूंगी

कशिश किन्नर, आरोपी।

लेकिन, गुस्से से भरी कशिश किन्नर की दहशत यहीं नहीं रुकी। जाते-जाते उसने संदीप को सीधी धमकी देते हुए कहा कि आज रात तक में तुझे घर में घुसकर जान से मार दूंगी। इस गंभीर घटना और जानलेवा धमकी से भयभीत होकर संदीप विश्वकर्मा ने तुरंत अधिवक्ता अभिषेक वर्वे और यश उपाध्याय के साथ थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी कशिश किन्नर निवासी टिग्गा मोहल्ला, सिवनी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धाराओं सार्वजनिक स्थान पर अभद्र व्यवहार/गाली-गलौज, के लिए 296(बी), गंभीर चोट पहुँचाना के लिए 115(2), धमकी के लिए 351(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस इस सनसनीखेज मामले की जांच में जुट गई है।

अधिवक्ताओं ने कराया बीच-बचाव

न्यायालय परिसर में हुए इस खुलेआम झगड़े को देखकर कई अधिवक्ता दौड़े। अधिवक्ता अभिषेक वर्वे, चंचल उपाध्याय, अर्पित त्रिपाठी, सुनील रजक और अन्य अधिवक्ताओं ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया।

पंचायत उप निर्वाचन 2025 : शस्त्र रखने, क्रय-विक्रय एवं परिवहन पर प्रतिबंध लागू

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के आदेशानुसार पंचायत उप निर्वाचन वर्ष 2025 (उत्तरार्द्ध) की घोषणा की गई है। इसके फलस्वरूप सिवनी जिले में सरपंच एवं पंच पद हेतु विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं वार्डों में उप निर्वाचन होना है।

सरपंच पद हेतु जनपद पंचायत सिवनी की ग्राम पंचायत लुंगसा तथा जनपद पंचायत कुरई की ग्राम पंचायत पाटन एवं चिखली में निर्वाचन प्रस्तावित है। पंच पद हेतु जनपद पंचायत सिवनी की ग्राम पंचायत पीपरडाही वार्ड क्रमांक 6, फुलारा वार्ड 15, सुकवाहा वार्ड 7, हिनोतिया (रन) वार्ड 11 और माहुलझिर वार्ड 7, जनपद पंचायत कुरई की ग्राम पंचायत चिखली वार्ड 9 एवं डुगरिया वार्ड 11, जनपद पंचायत बरघाट की ग्राम पंचायत खारी वार्ड 16, मलारा वार्ड 4, इन्दौरी वार्ड 15 और धारनाकला वार्ड 12, जनपद पंचायत छपारा की ग्राम पंचायत देवरी कला वार्ड 3, पहाड़ी वार्ड 16, खमरिया वार्ड 9 एवं घुंघसा वार्ड 3, जनपद पंचायत लखनादौन की ग्राम पंचायत नागनदेवरी वार्ड 6, मोहगांव धूमा वार्ड 2 और सिहोरा वार्ड 9, जनपद पंचायत केवलारी की ग्राम पंचायत सोनखार वार्ड 9 एवं 10, पड़िया छपारा वार्ड 4 और उगली वार्ड 6 तथा जनपद पंचायत धनौरा की ग्राम पंचायत गुधना वार्ड 7 एवं मुर्गहाई वार्ड 13 में उप निर्वाचन कराया जाएगा। चयनित सभी निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो चुकी है। चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान सम्पन्न कराने के उद्देश्य से शस्त्र रखने, परिवहन एवं क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लागू किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा धारा-163, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं आयुद्ध अधिनियम की धारा 17(3)(ख) के अंतर्गत आदेश जारी किया गया है।

सरकारी आवास पर जमे एएसपी गुरु दत्त शर्मा!

हाईकोर्ट की याचिका खारिज होने के बाद भी खाली कराने पर 'सस्पेंस' बरकरार

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

माननीय उच्च न्यायालय द्वारा तत्कालीन एएसपी गुरु दत्त शर्मा की स्थानांतरण रुकवाने वाली याचिका को खारिज किए एक सप्ताह पूरा चूका है, लेकिन इसके बावजूद भी सरकारी आवास खाली कराने को लेकर प्रशासनिक स्तर पर चुप्पी छाई हुई है। सवाल यह उठ रहा है कि आख़िर गुरु दत्त शर्मा से सरकारी आवास कौन और कब खाली कराएगा?

जहाँ एक ओर अदालत ने स्थानांतरण को लेकर किसी भी तरह की राहत देने से स्पष्ट इंकार कर दिया था, वहीं दूसरी ओर सरकारी आवास पर गुरु दत्त शर्मा का कब्ज़ा बने रहने से विभागीय हलकों में चर्चाओं का दौर तेज है। नियमों के अनुसार, स्थानांतरण प्रभावी होते ही संबंधित अधिकारी को नया पदभार ग्रहण करने और पूर्व आवास खाली करने की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। लेकिन इस मामले में ऐसा न होने पर कई अधिकारी भी हैरान हैं।

मेडिकल रिपोर्ट पर भी सवाल, जांच की मांग तेज

इस पूरे प्रकरण में एक और नया मोड़ तब आया जब गुरु दत्त शर्मा की मेडिकल रिपोर्ट को लेकर सवाल उठने लगे। आरोप है कि जिन्हें गंभीर बीमारी का हवाला देकर मेडिकल आधार दिखाया जा रहा था, उन रिपोर्टों में किसी भी प्रकार की गंभीर बीमारी या उससे जुड़े टेस्ट दर्ज नहीं हैं। सूत्रों का दावा है कि मेडिकल बोर्ड की ओर से जारी यह रिपोर्ट 'दबाव' या 'आर्थिक लाभ' के चलते तैयार की गई हो सकती है। इस तरह के दावे पुलिस विभाग में मेडिकल बोर्ड की भूमिका पर चर्चा तेज हो गई है। यह मामला अब चर्चा का केंद्र बना हुआ है तथा विभागीय जांच को लेकर लगातार सवाल उठ रहे है।

मेडिकल रिपोर्ट में गंभीर बीमारी का कोई स्पष्ट चिकित्सीय आधार न मिलना अधिकारियों की नजर में संदेह का विषय बन गया है। कई वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि यदि मेडिकल बोर्ड ने किसी भी प्रकार की अनियमितता की है, तो इसकी जांच आवश्यक है, क्योंकि यह केवल एक अधिकारी का नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता का मामला है।

गुरु दत्त शर्मा
तत्कालीन एएसपी।

सुनील मेहता
एसपी सिवनी।

शीतला पटले
कलेक्टर सिवनी।

प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

यह मामला इसलिए और चर्चा में है क्योंकि हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद भी प्रशासन ने सरकारी आवास खाली कराने के लिए कोई दृश्यमान कार्रवाई नहीं की है। जबकि नियमों के मुताबिक, आदेश प्रभावी होने के बाद अधिकारी को तत्काल प्रभाव से आवास छोड़ना होता है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, विभागीय अधिकारी खुद यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि आगे की कार्रवाई कौन और कब करेगा।

शहर के पुलिस और प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि क्या हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी किसी अधिकारी को विशेष छूट दी जा सकती है? क्या मेडिकल रिपोर्ट को आधार बनाकर आवास खाली करने में देरी की जा रही है? और क्या जल्द ही इस पूरे मामले पर कोई कठोर कदम उठाया जाएगा? गुरु दत्त शर्मा से जुड़े इस विवाद ने न सिर्फ विभागीय अधिकारियों को असमंजस में डाल दिया है, बल्कि यह मामला जनता के बीच भी सवालों का कारण बन गया है। कई लोग यह आरोप लगा रहे हैं कि नियमों का अनुपालन सिर्फ आम कर्मचारियों पर होता है, जबकि उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों के मामले में नियमों को दरकिनार कर दिया जाता है। तत्कालीन एएसपी गुरु दत्त शर्मा के कारण पुलिस विभाग की भद पिट रही है और उच्च अधिकारी आंखो में पट्टी बांधकर गांधारी की भूमिका निभा रहे है।

फ़ैज़ कबीर व रुशिल खेड़ीकर का हुआ चयन

सिवनी। सिवनी जिले के क्रिकेट खिलाड़ियों ने एक बार फिर निरंतर प्रयास, मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते जबलपुर संभागीय टीम में जगह बनाया है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव शाहिद नज़ीर ने बताया की फ़ैज़ कबीर और रुशील खेड़ीकर का चयन प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अंडर-15 इंटर डिवीजनल एम एम जगदाले ट्राफी के लिए हुआ है। फ़ैज़ और रुशील के चयन से जिला क्रिकेट संघ को उम्मीद है जबलपुर संभाग के लिए अंडर-15 इंटर डिवीजनल एम एम जगदले ट्रॉफी में जबलपुर संभाग से खेलते हुए फ़ैज़ कबीर और रुशील खेड़ीकर अपने बेहतरीन कौशल, आत्मविश्वास और खेल भावना से टीम और सिवनी जिले का नाम रोशन करेंगे। दोनों खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल होने जबलपुर के लिए रवाना हो गए। फैज और रुशील को मिली इस उपलब्धि पर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राजकुमार पप्पू खुराना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद दत्त दीक्षित, सचिव शाहिद नज़ीर, एडवोकेट पंकज शर्मा, सुरेंद्र राजपूत, जयराज सिंह सेंगर, जय श्रीवास्तव, राकेश जैन, प्रदीप नखाते, निरंजन बंटी सराठे आदि ने बधाई दी।

कप्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग

संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध

संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433